

**राज**

कॉमिक्स  
विशेषांक

मूल्य 30.00 संख्या 2453

# हम होंगे कामयाब



सुपर कमाण्डो ध्रुव

मल्टीस्टार विशेषांक



## हम होंगे कामयाब

8 फरवरी, 2004

जैसलमेर रेगिस्तान, राजस्थान।

कोई भी खेल खिलाड़ी से बड़ा नहीं होता! खेल बड़ा होता है हौसले से, जुनून से!

सच्चा खिलाड़ी वो है जिसका जुनून खेल को जीतना नहीं, खेल को सच्चे जजबे, सच्चे जुनून से खेलना होता है!

यदि जुनून सच्चा हो तो जीत अपने आप ही मिल जाती है!

आसमान की बुलंदियां वही परिन्दे चूमते हैं जिनके हौसलों के पंखों में जुनून की सच्चाई होती है!

हम होंगे कामयाब...  
हम होंगे कामयाब...



जिनका सपना तो आसमान में अपनी हसरतों के पंख फैलाना है, पर जिनकी जड़ें अपने देश की मिट्टी में बहुत गहरी हैं!

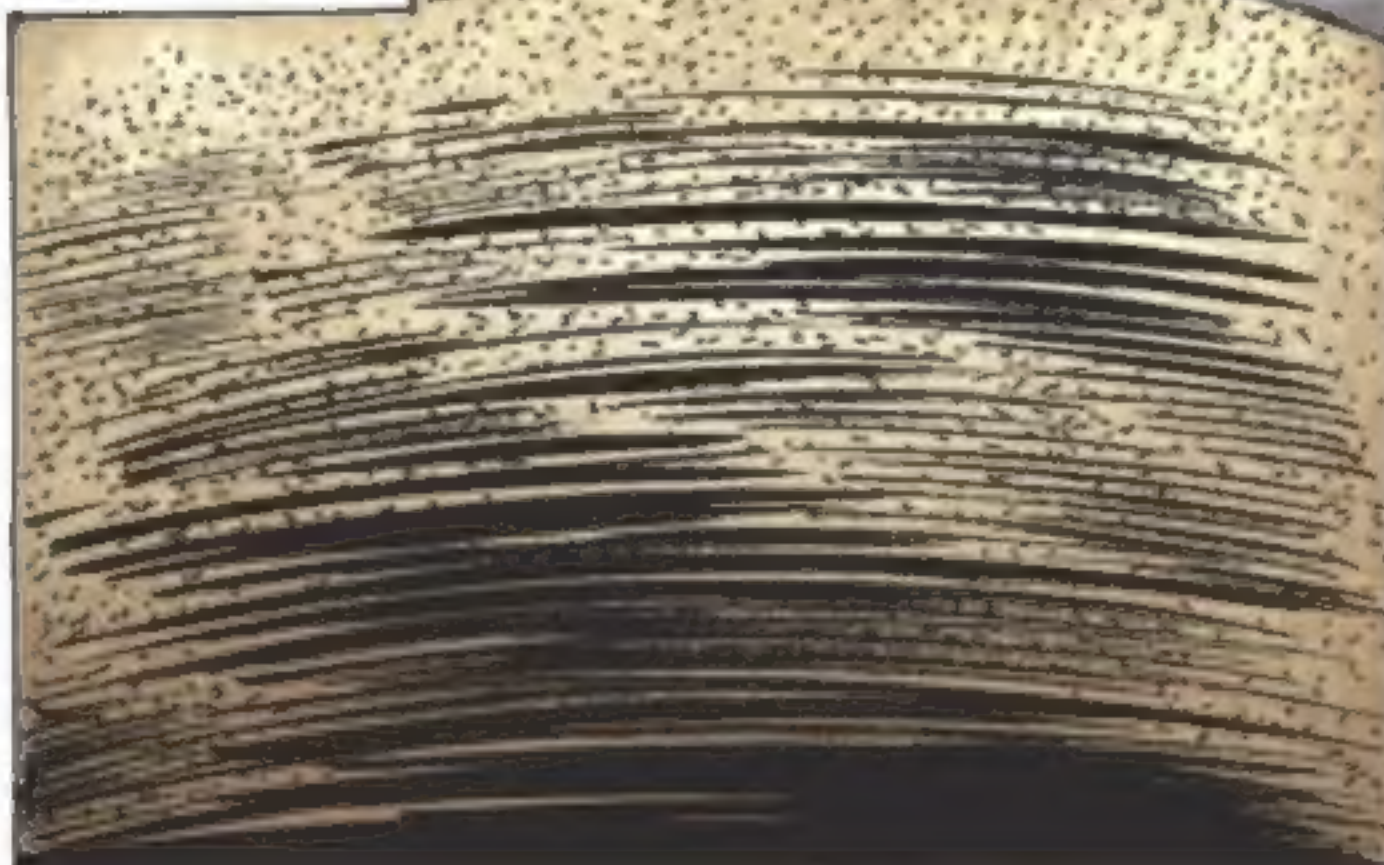
हम होंगे कामयाब...  
एक दिनSSS.....



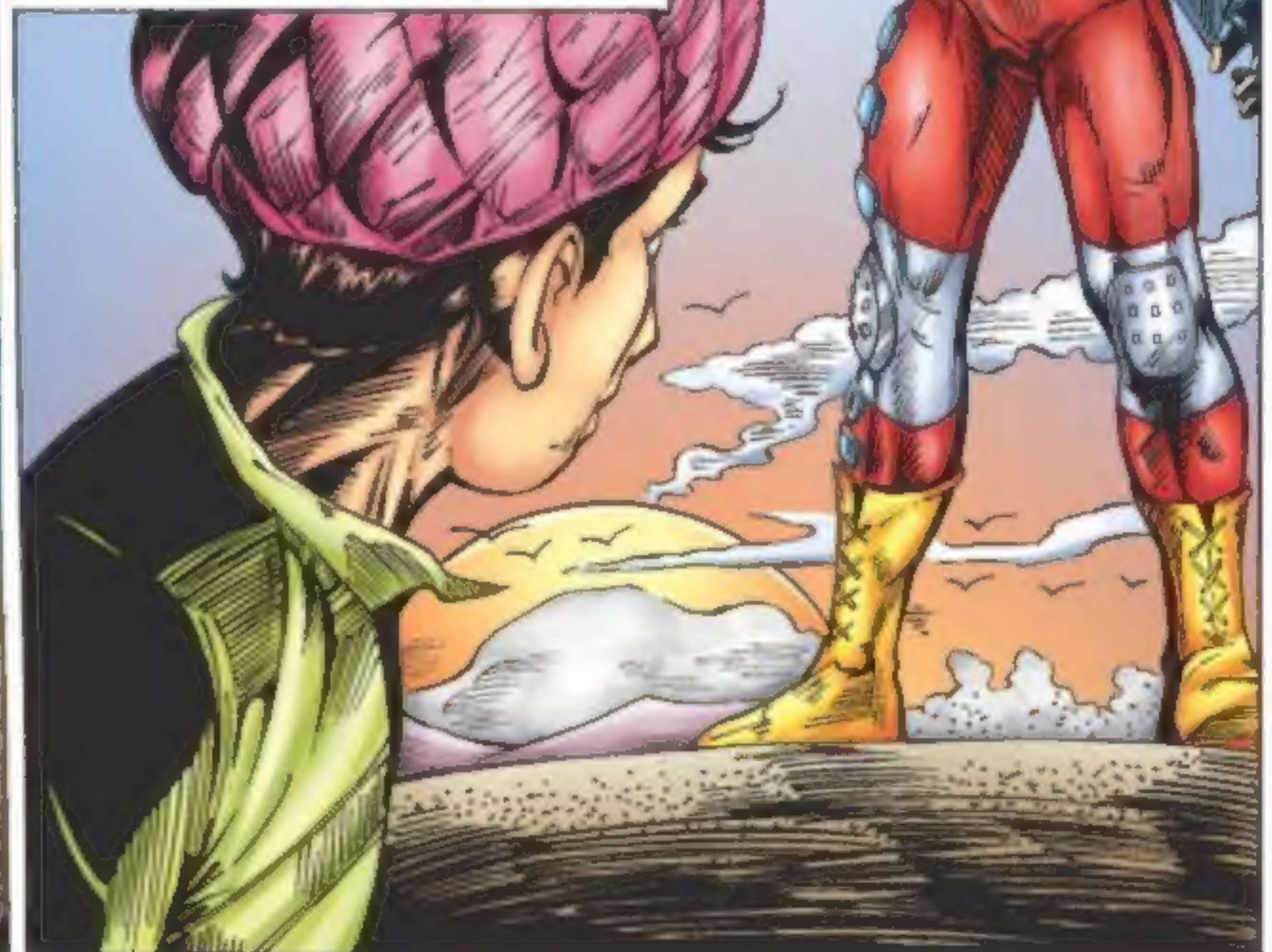
जिन्हें तलाश है बस एक मौके की! मौका, खुद को साबित करने का, दुनिया को दिखा देने का कि जुनून जब हद से बढ़ जाता है...

...तब खेल ही खिलाड़ी का खुदा बन जाता है!

हो..हो..मन में है विश्वास...SSS









खिलाड़ी के खेल और इंसान की जिन्दगी में ख़ास फर्क नहीं होता। दोनों में ही विपदा, उतार-चढ़ाव, अनिश्चितता और हार का डर बहुत अधिक होता है! पर खेल हो या जिन्दगी, जीत उन्हीं के कदम चूमती है जो विकट परिस्थितियों में भी बलबलदास्त हैं अपने हौसले, जिनका ख़ुद पर विश्वास पक्का होता है कि

# हम होंगे कामयाब

संजय गुप्ता  
की प्रस्तुती

लेखक	आर्टिस्ट	इंकिंग	इफ़ैक्ट्स	कैलिग्राफी	सम्पादक
नितिन मिश्रा	हेमंत	गौरव	सुनील	हरीश शर्मा	मनीष गुप्ता

8 फरवरी, 2004

समय:- रात्रि 11:30

स्थान:- दिल्ली-राजनगर संभम पुल, राजनगर!

निकालो, निकालो!  
सम्भाल के!

हमारी सर्च टीम पिछले छः घण्टे से कोशिश कर रही है ध्रुव! कार तो हमने बरामद कर ली पर किसी बॉडी की बरामदगी नहीं हुई है।

पानी का बहाव काफी तेज है। हो सकता है लाश काफी दूर निकल गई हो! अब उसका मिलना मुश्किल लग रहा है।

होने को तो यह भी हो सकता है इंस्पेक्टर साहब कि पवन खान्ना मरा ही ना हो। हम सबको चकमा देकर निकलने में कामयाब हो गया हो!



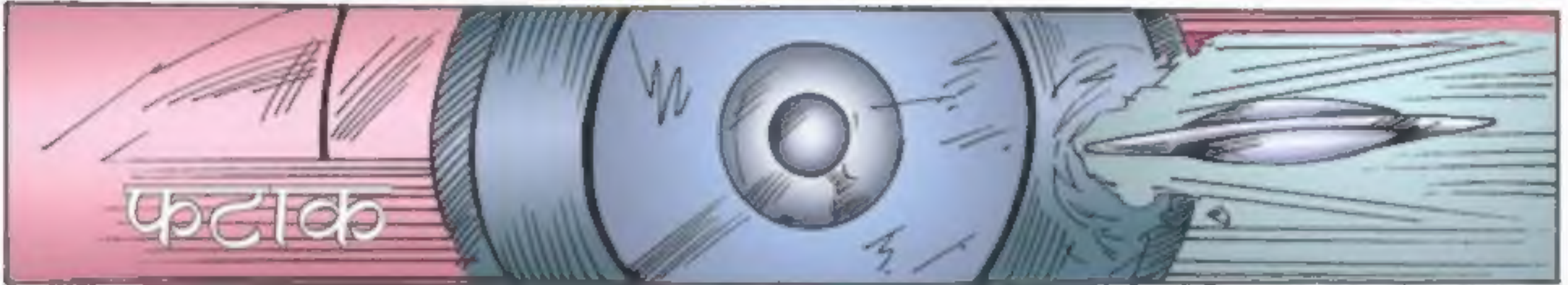
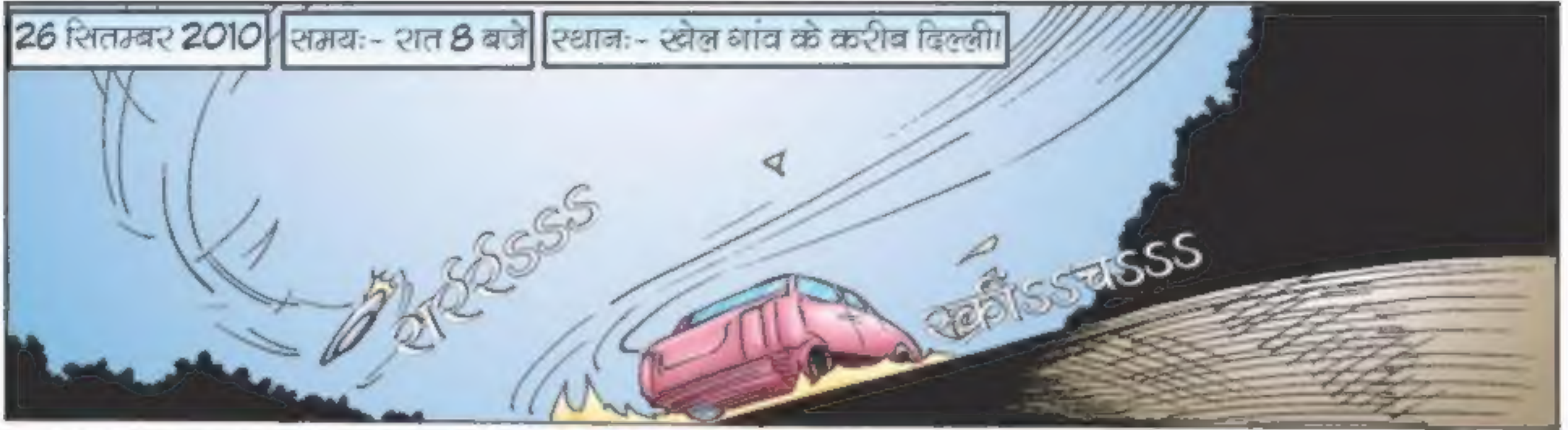




26 सितम्बर 2010

समय:- रात 8 बजे

स्थान:- खेल गांव के करीब दिल्ली।







जाने दूंगा! ऐसी जगह जाने दूंगा जहां वो डाटा तेरे किसी काम नहीं आने वाला! जहन्नुम!!!



जहन्नुम भोजने का दावा करने वाले न जाने कितने आपु और गपुऽऽऽ... हम तो जिसे बना लें स्कीब अपना उसकी जिन्दगी का हर पल जहन्नुम बना देते हैं।



तिरंगा!!!

तिरंगा!!! इतने साल गायब रहने के बाद वापस दिल्ली लौट आपु!!

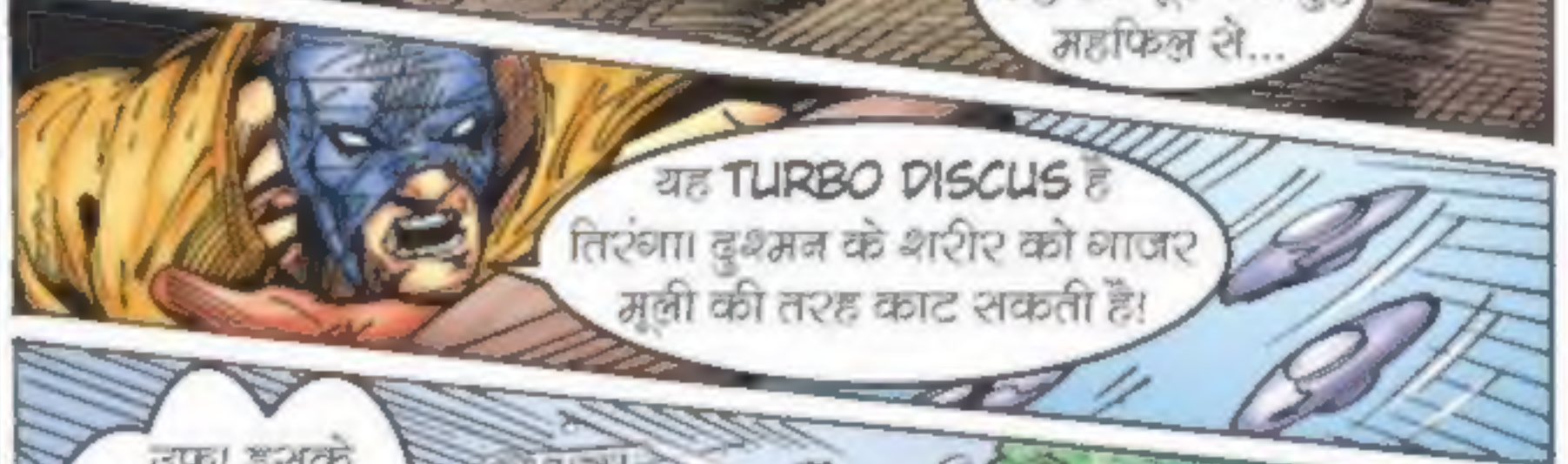


...यारों ने ना दुआओं में हमें याद किया ना ही खताओं में!!

साथऽऽ



धाडा



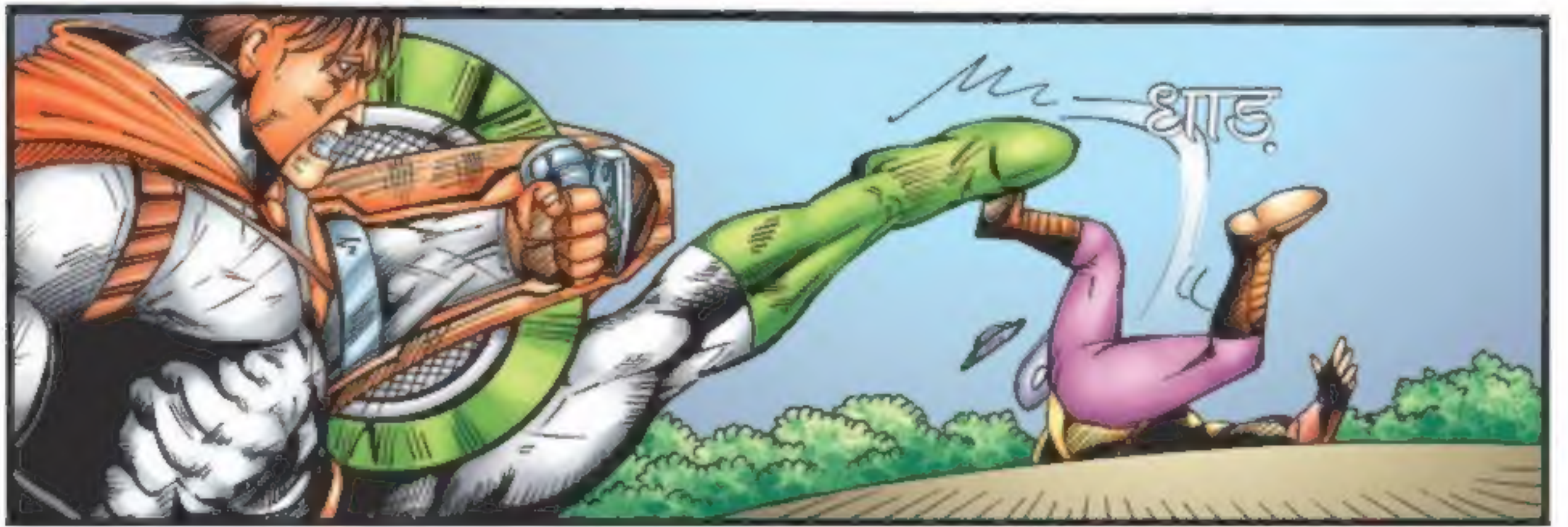
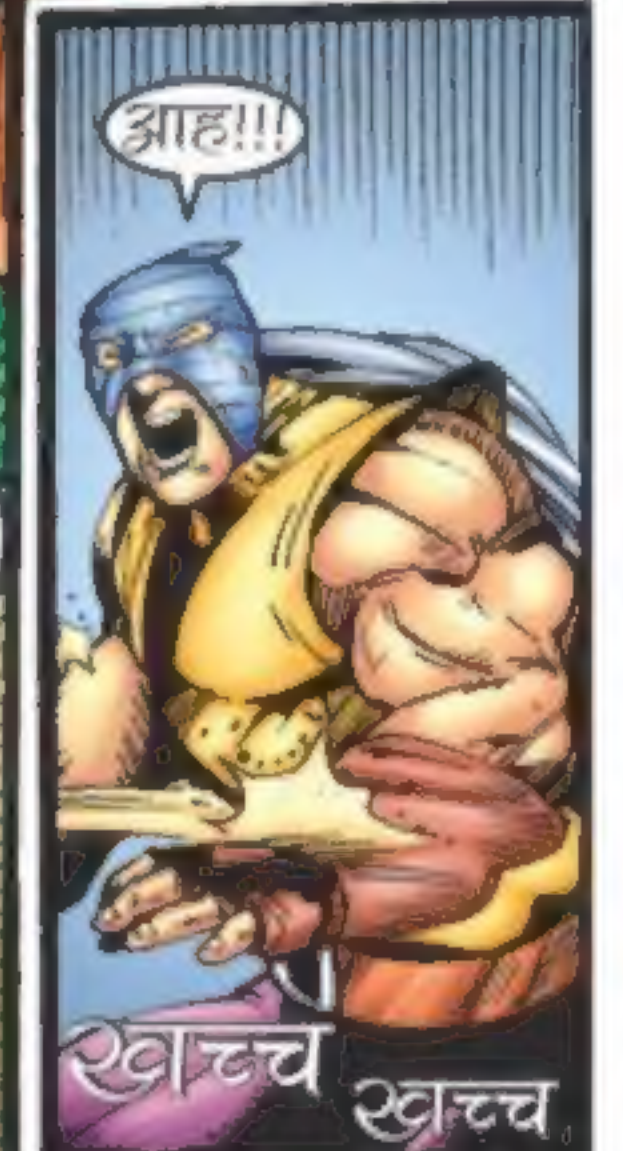
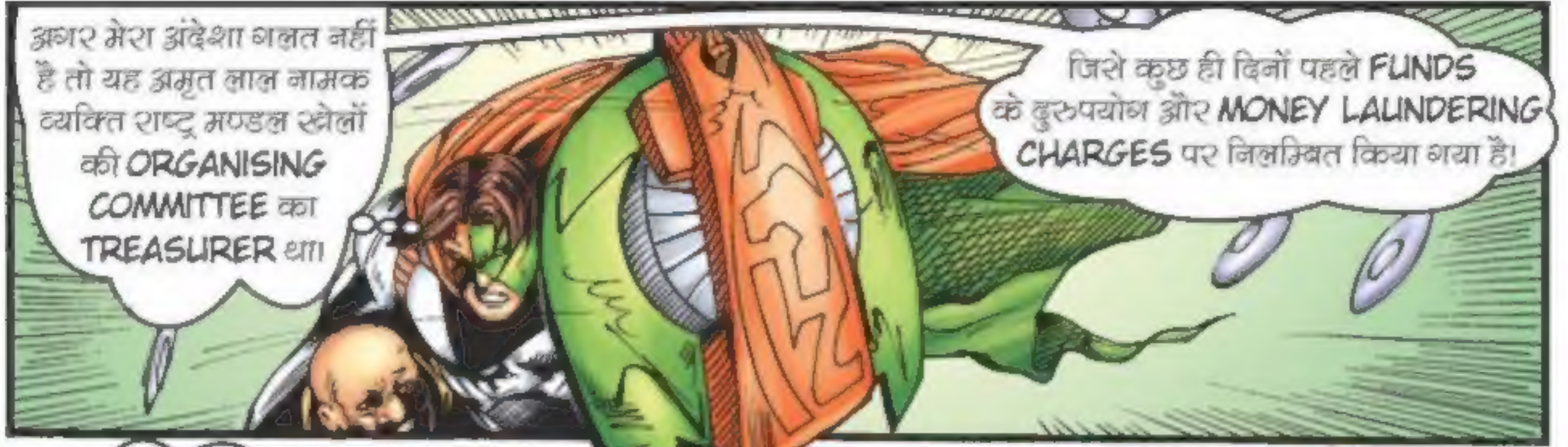
यह TURBO DISCUS है तिरंगा! दुश्मन के शरीर को गाजर मूली की तरह काट सकती है!



उफ! इसके फेंके एक डिस्कस में से कई छोटी धारदार डिस्कस निकल कर हमला कर रही हैं, मैं खुद को तो बचा लूंगा पर पहले अमृत लाल को बचाना जरूरी है।

शर साथ









प्लान चॉपट हो रहा है! तिरंगा ने बीच में आकर सब गड़बड़ कर दी अब इस किरसे को यहीं खत्म कर के फौरन निकलना होगा।

यह ब्लास्टर डिस्कस है तिरंगा फेंके जाने के बाद किसी भी चीज से टकराते ही ब्लास्ट करती है और चीधड़े उड़ा देती है।

**BAD LUCK!**  
तेरा निशाना तो चूक गया!!



तू मेरा निशाना था ही नहीं तिरंगा, तू तो जबरदस्ती बीच में घुस गया। मेरा निशाना तो तेरे पीछे है!

**O SHIT!!**

आमातामाताह!!



**NOW CHOICE IS YOUR'S TIRANGA!** या तो मेरे पीछे पड़ ले या मरने वाले को बचा ले।

**DAMN IT!!** इसका पीछा करने के लिए मैं घायल अमृत लाल को यहां मरने के लिए नहीं छोड़ सकता।



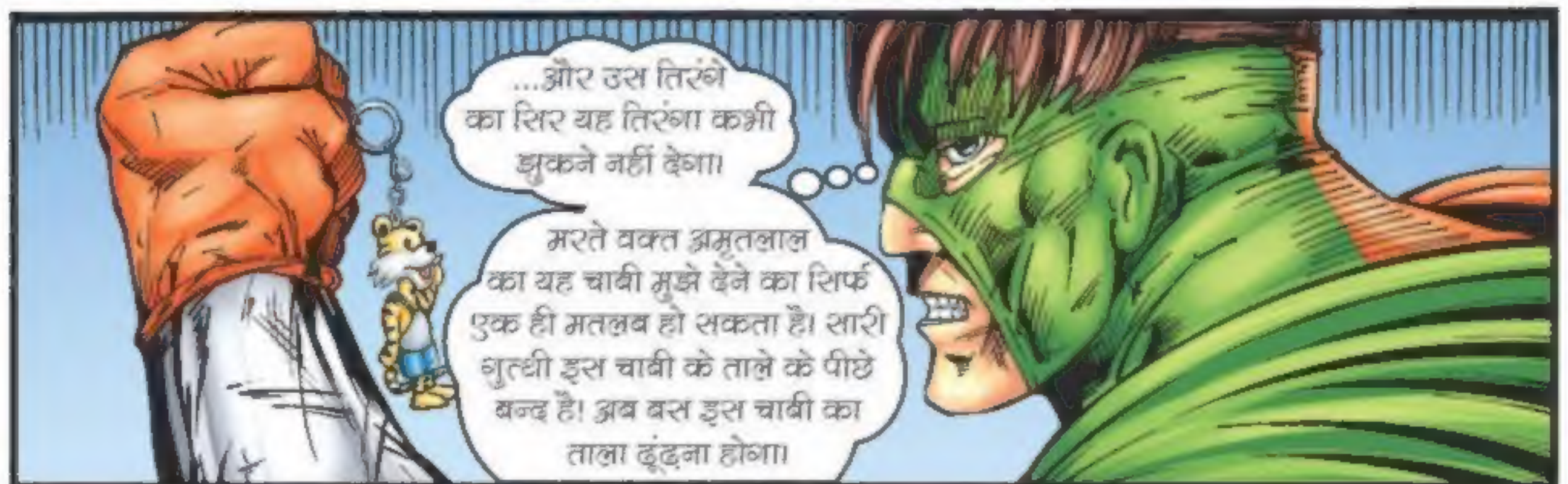
**HOLD STILL AMRIT LAL JI.** मैं आपको हॉस्पिटल पहुंचाने का इन्तजाम करता हूं।

न...नहीं...तिरंगा!! मेरे पास वक्त बहुत कम है...

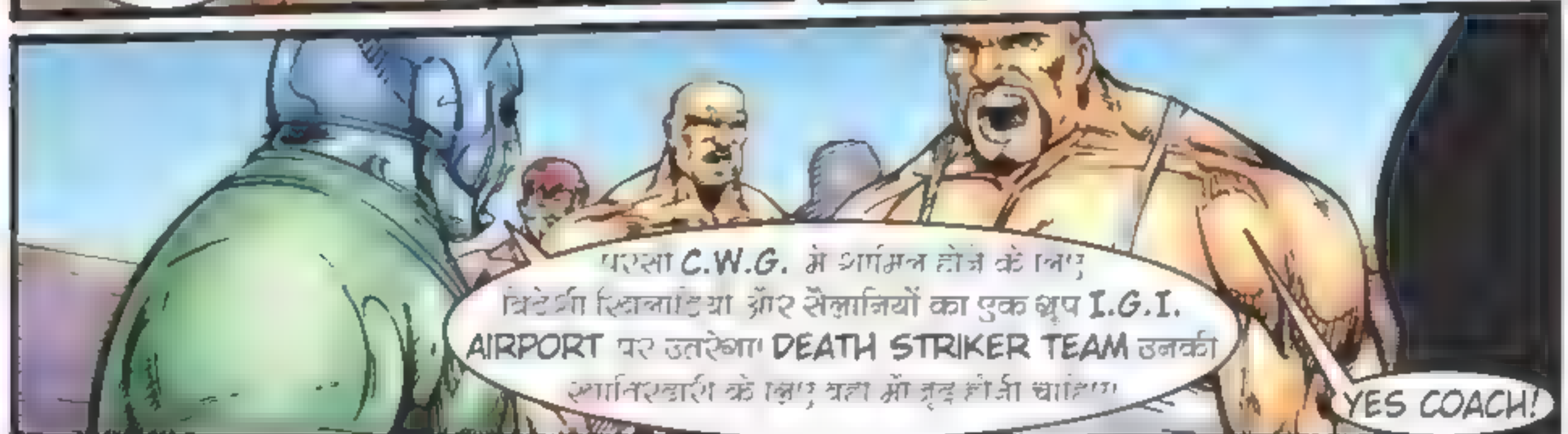
मुझ पर...ज... जो इल्जाम लगाए गए हैं वो बेयुनियाद हैं...आह...ब... बड़े अधिकारियों की गिरहबान बचाने के लिए...म...मुझे **SCAPEGOAT** बनाया गया है!



## हम होंगे कामयाब





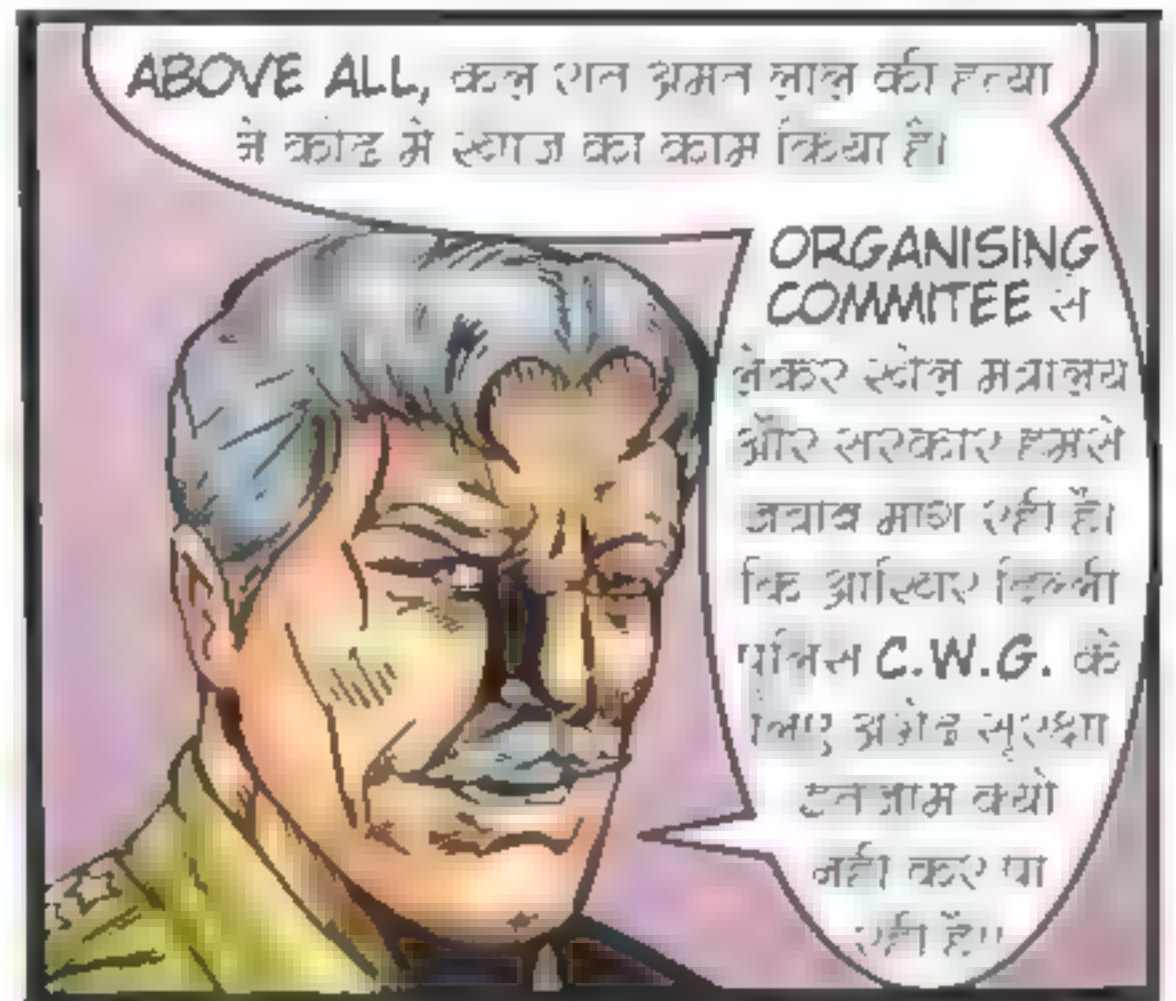






HEADQUARTER DELHI POLICE,  
COMMISSIONER OF POLICE-

TAKE A  
LOOK AT THESE  
REPORTS!! सुरक्षा व्यवस्था पर  
सवाल उठाने हुए कई देशों की टीम्स  
व कई जामी विरामी स्त्रियाँ ने  
राष्ट्र मण्डल स्तरों में आवाजें  
ले डेकार कर दिया है।



ABOVE ALL, कल एन अमन लाल की हत्या  
ने क्राइ में स्टाज का काम किया है।

ORGANISING  
COMMITTEE से

लेकर स्वेत मंत्रालय  
और सरकार हमसे  
जवाब मांग रही है।  
कि आस्टियर दिल्ली  
पॉलिस C.W.G. के  
लिए अमेर सुरक्षा  
एन ग्रांम क्यों  
नहीं कर पा  
रही है।

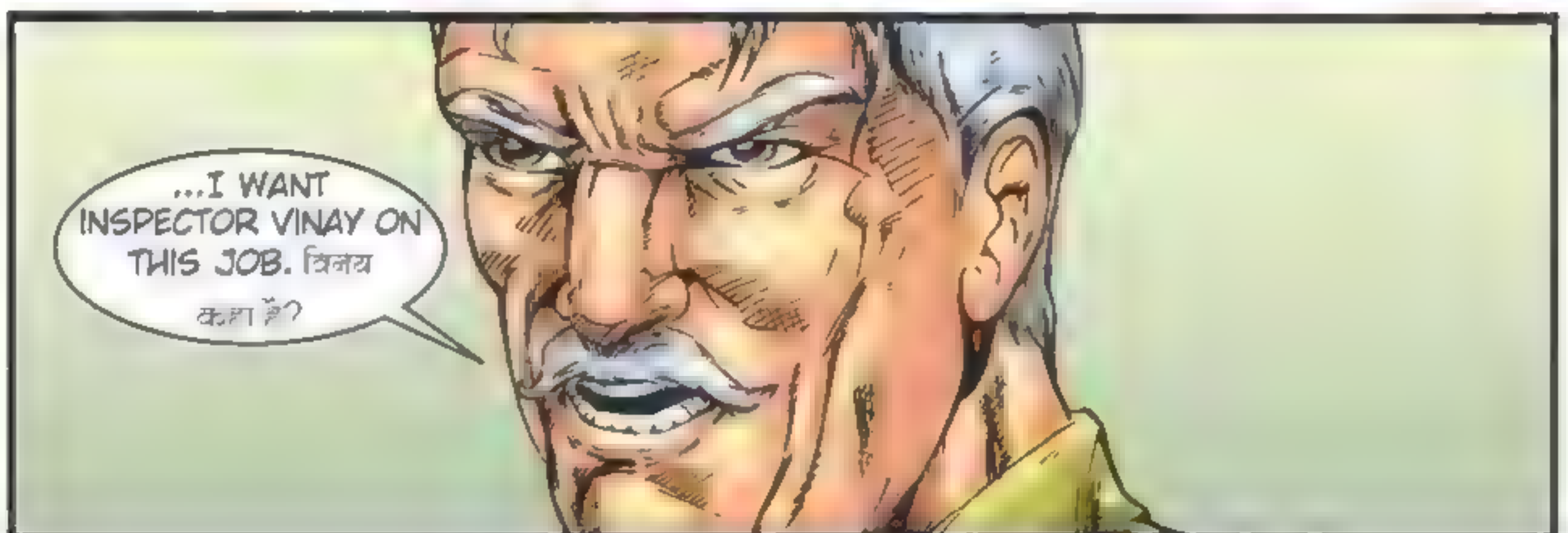


WE ARE  
TRYING OUR  
LEVEL BEST  
SIR!

BUT IT SEEMS  
LIKE OUR LEVEL  
BEST IS NOT GOOD  
ENOUGH.

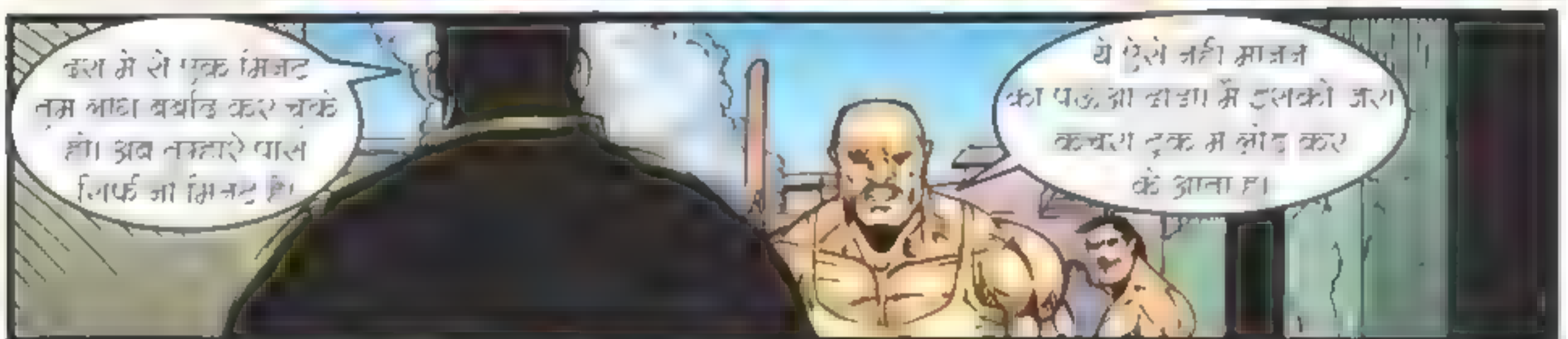
यदि C.W.G. के  
दौरान कोई भी आप्रय  
घटना घेरा आई तो उसकी  
जिम्मेदार दिल्ली पॉलिस होगी  
और यह बात मजबूत कनेट  
बर्दाश्त नहीं है।

अपनी सारी फोर्स  
को चौकन्ना करने की  
जस्तूरत है और सुरक्षा की  
जिम्मेदार दिल्ली पॉलिस के सबसे  
काम्यब अफसर के हाथों  
सोपनी होगी।



...I WANT  
INSPECTOR VINAY ON  
THIS JOB. विनय  
कहा है?

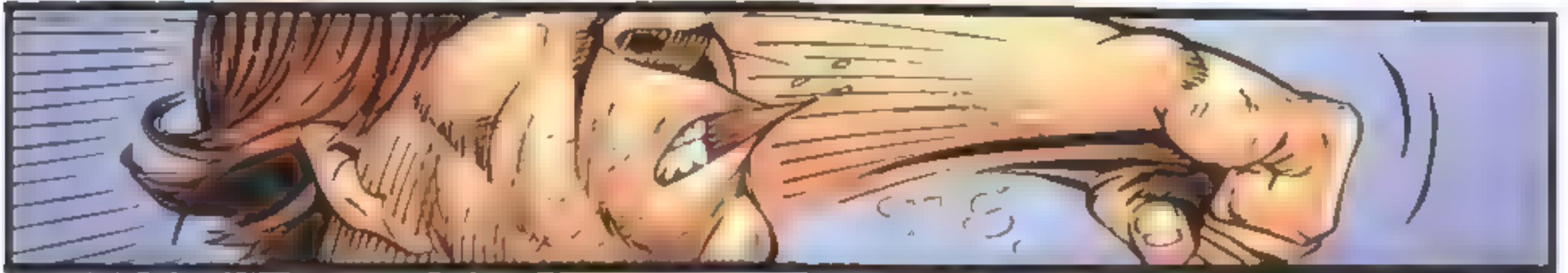






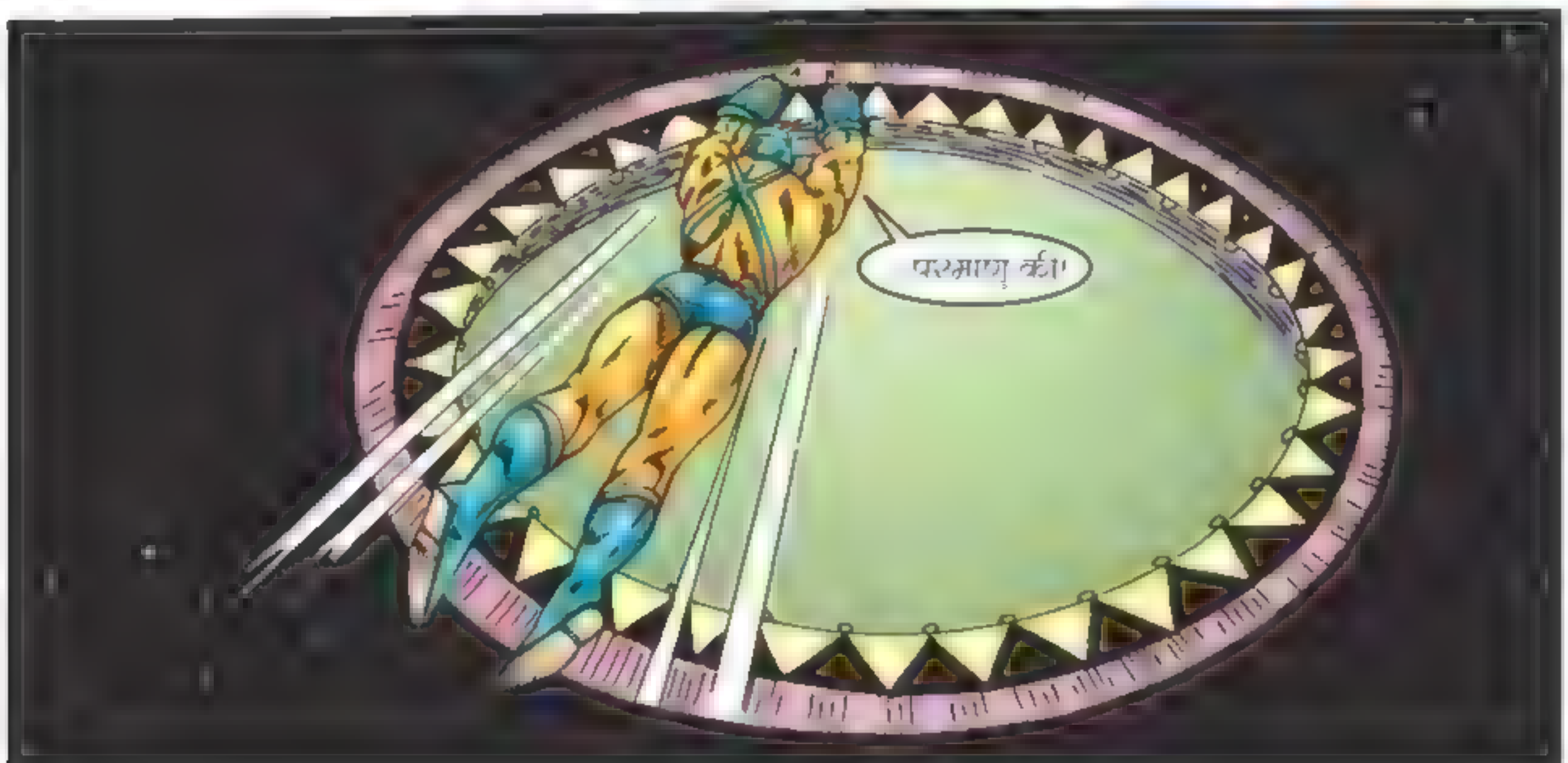
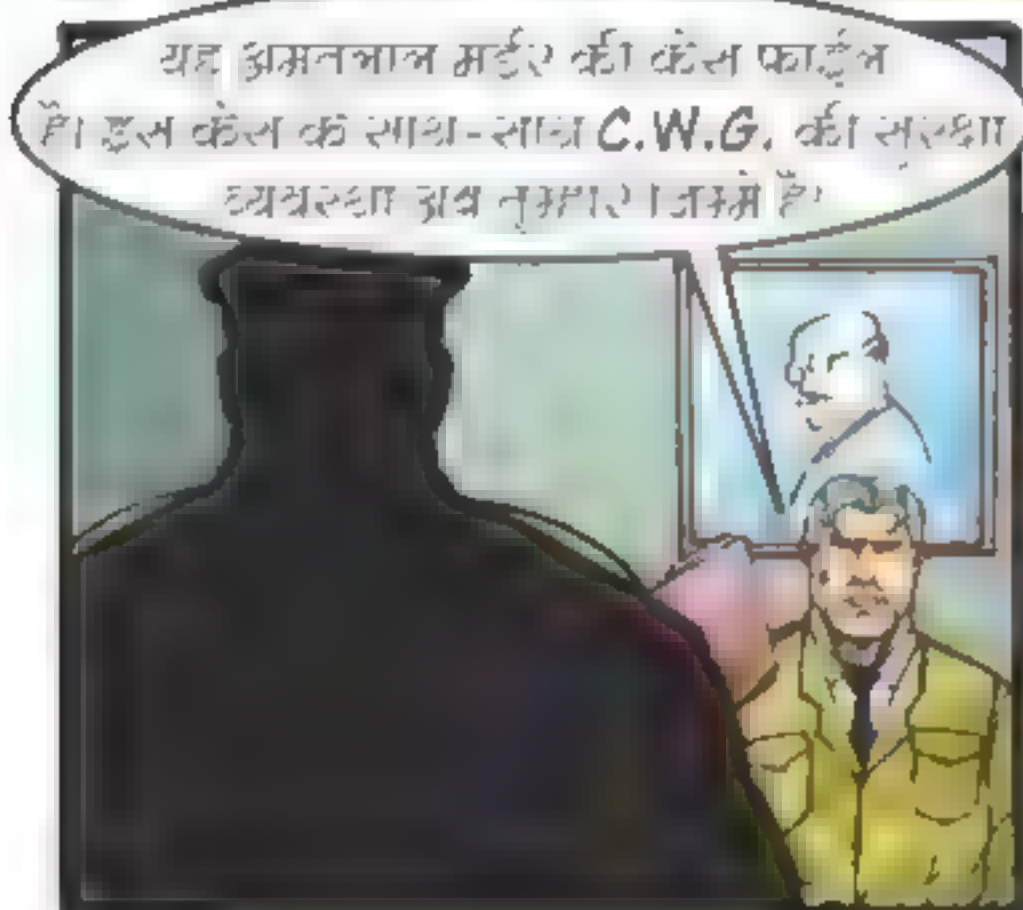




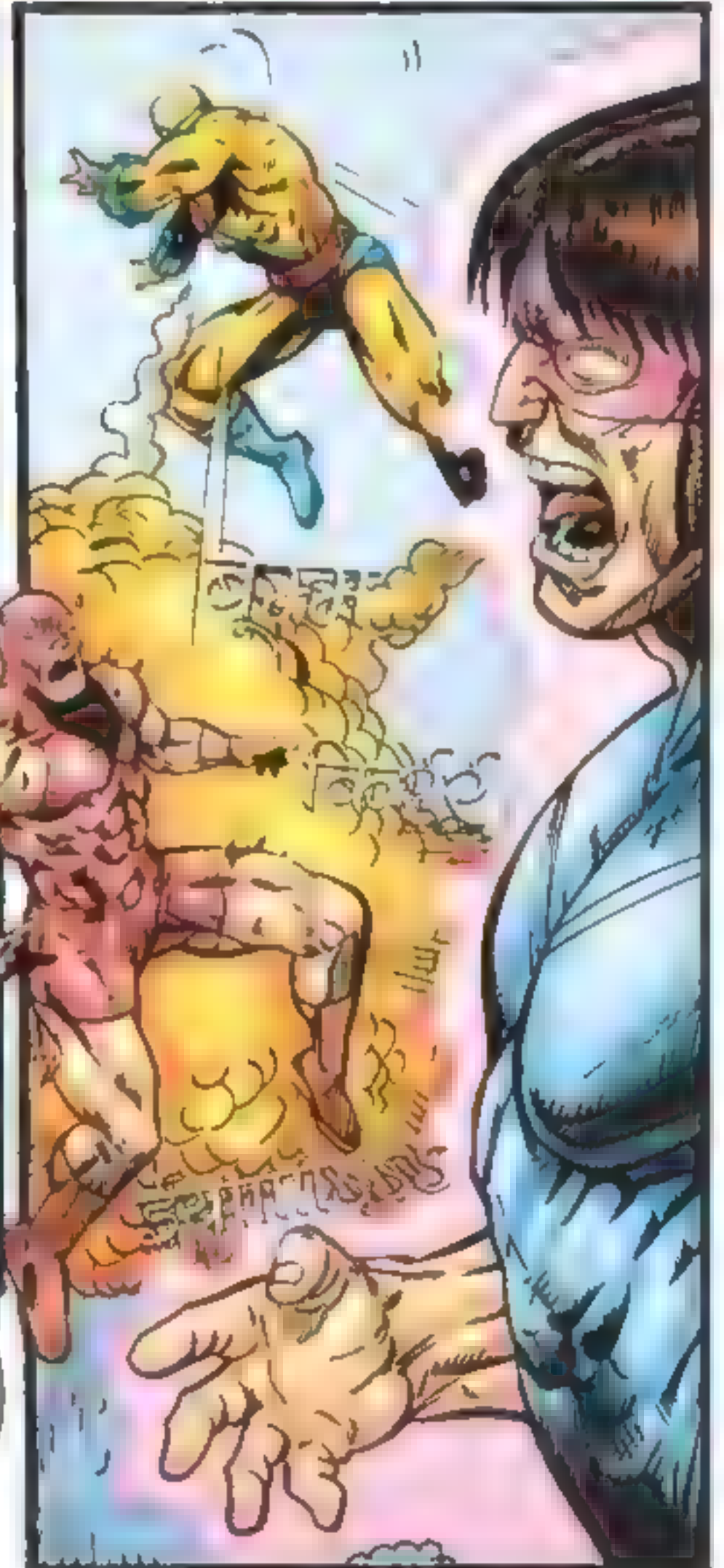
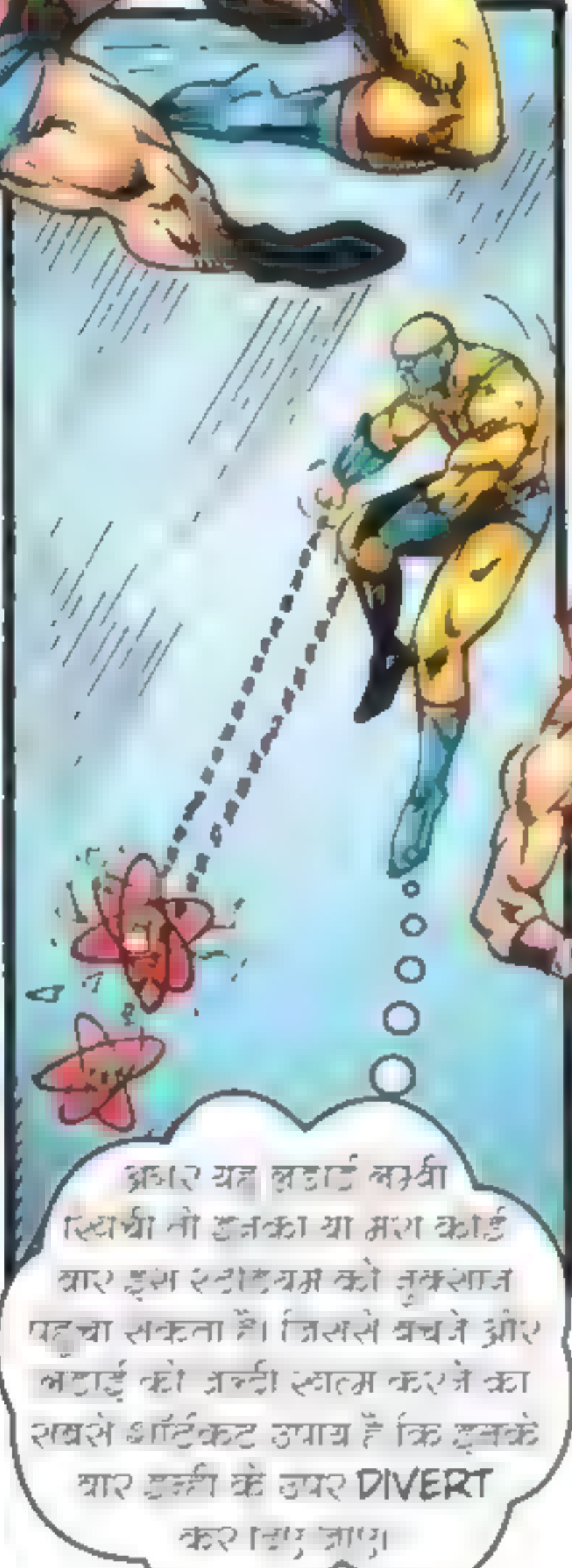
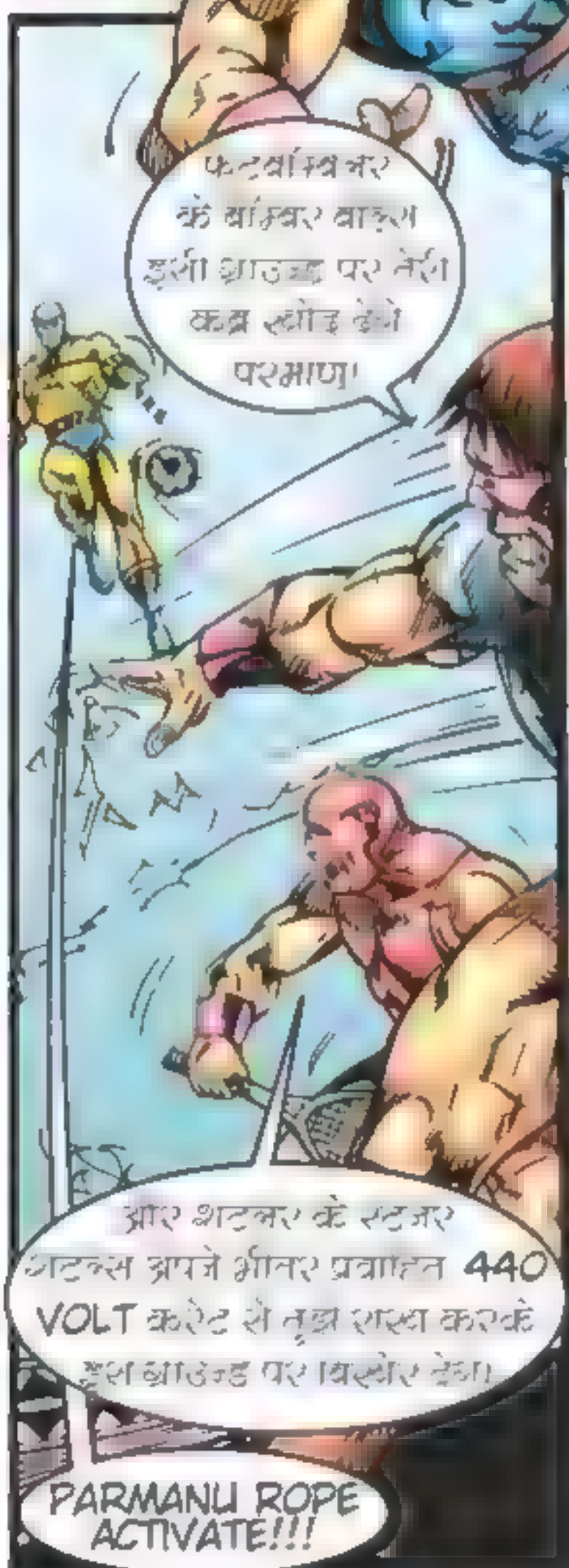
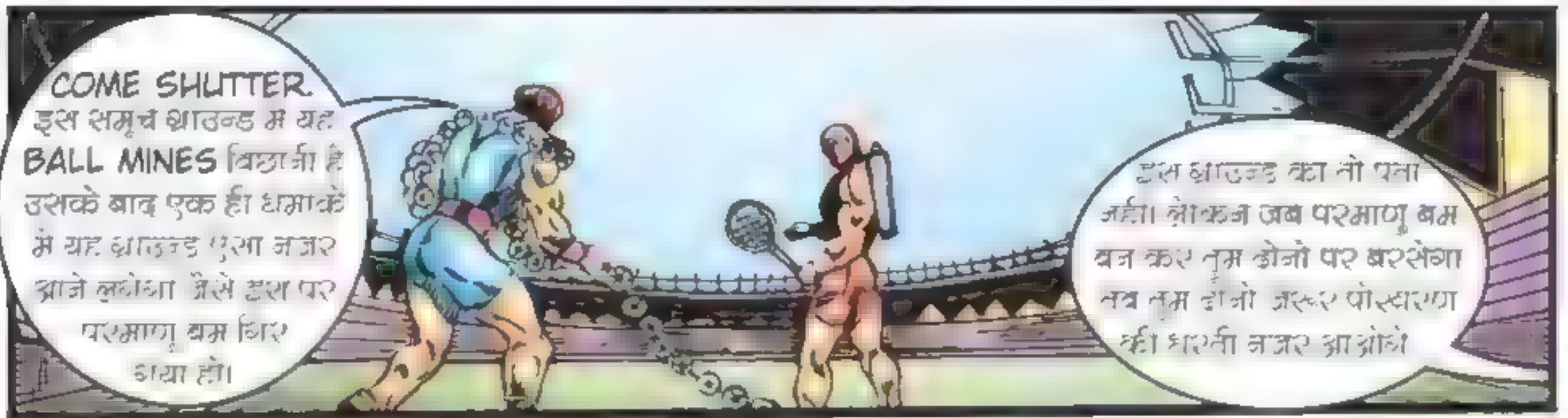




## हम होंगे कामयाब









## हम होंगे कामयाब

परमाणु का काम  
स्वतंत्र, विनय की इच्छा  
आरंभ। भीतर आने से पहले मैंने  
सभी MAIN ENTRANCES की  
SECURITY चेक की थी।  
यह लाल VISITORS ENTRANCE  
से भीतर नहीं आते हैं।

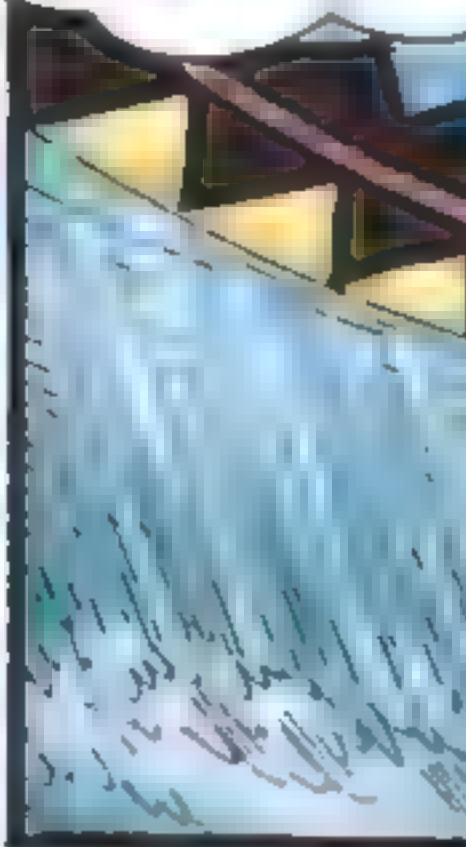


यह लाल  
AUTHORISED  
PERSONAL ENTRY GATE  
से भीतर आते हैं। जिससे लिफ्ट  
C.W.G. के कर्मचारियों ही भीतर  
आने जाते हैं।

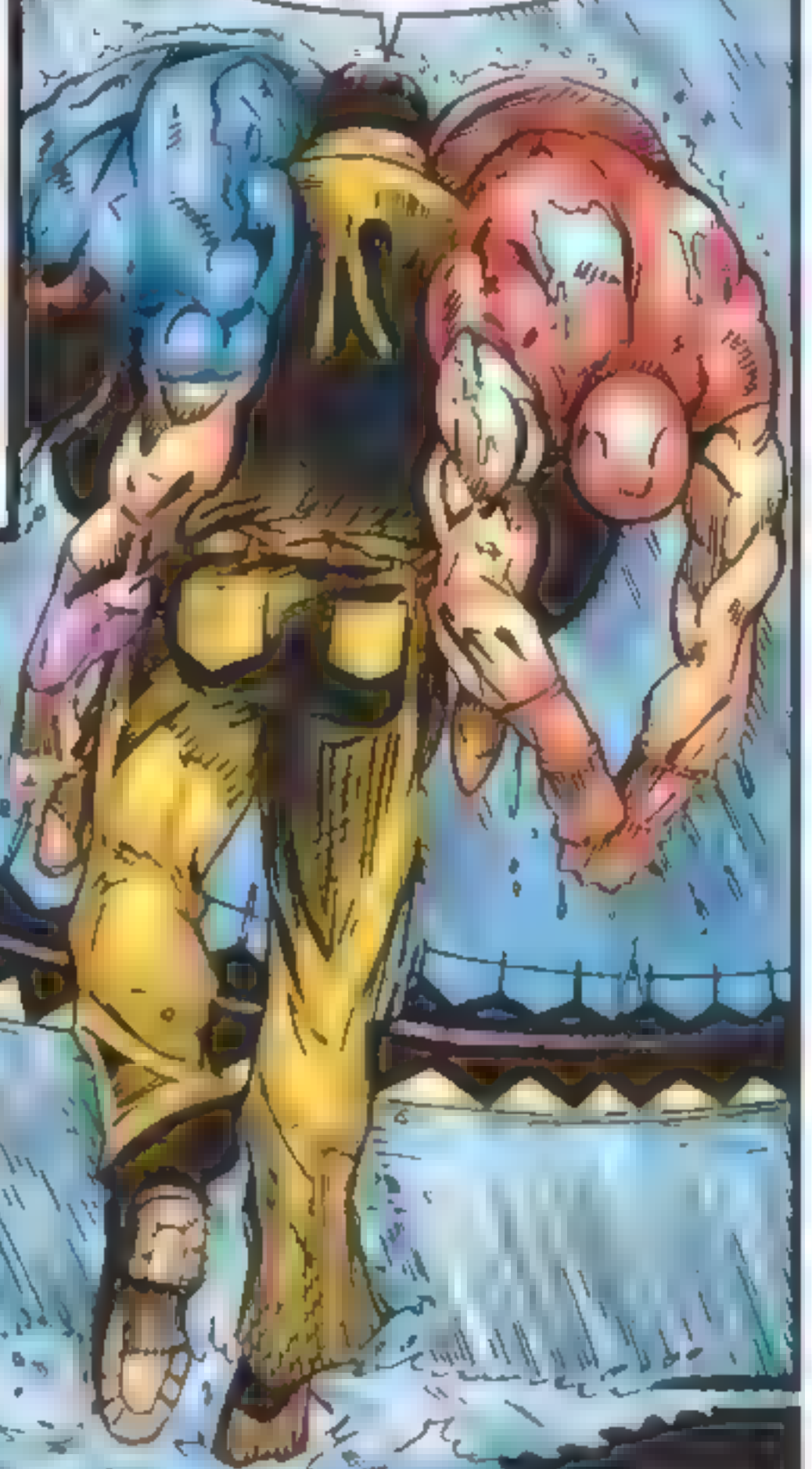
यह नहीं समझते हैं जब किसी  
भीतर कर्मचारी ने ही अन्दर आने  
में उनकी कोई मदद की हो। यानि  
C.W.G. के कर्मचारियों में ही कोई  
है जो कि इन अपराधियों से  
मित्रता करता है।



वा कॉन है और  
C.W.G. में अन्दर के लोग  
कैसे इनका मदद करे  
है। यह तो इन लोगों के होश में  
आने पर ही आता फिर  
से बर्बरता आरंभ।

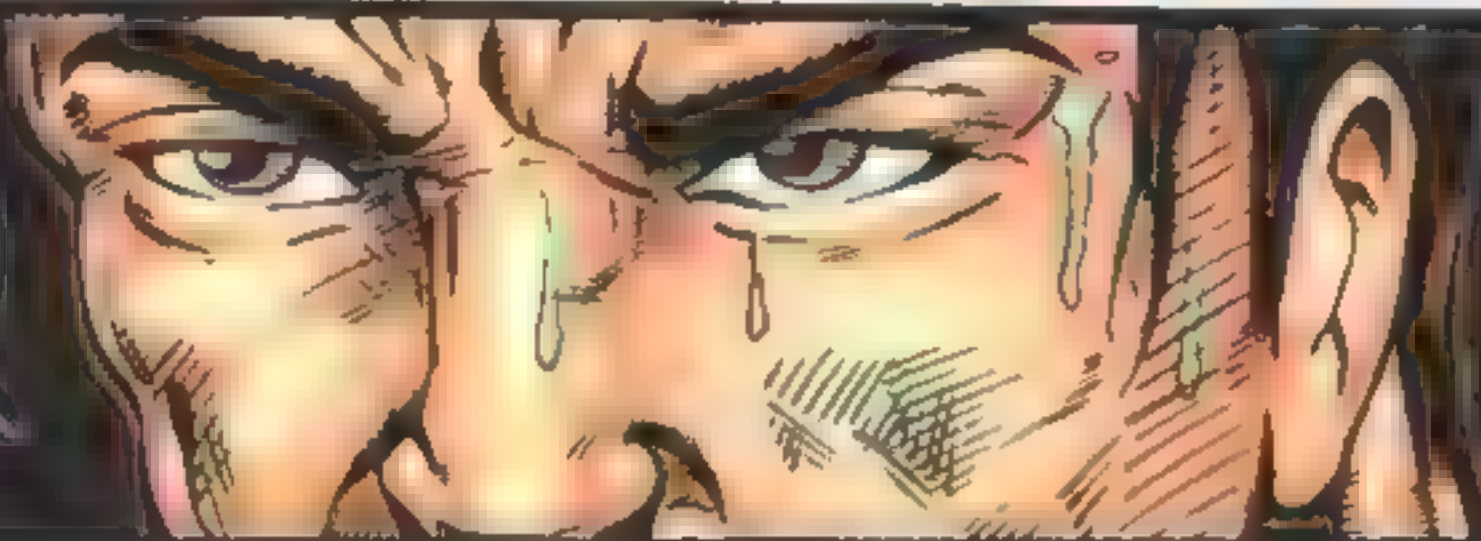


इस महीने में इनकी बर्बरता  
पाउने कई लोगों में नहीं हुई। दिल्ली में  
यसूना की स्वतंत्र के निशान पर पड़ने वाली  
है। उफा आरंभ होने ही बर्बरता कतनी घमासान  
हो गई है। जब तक लिफ्टवाली वाले यहाँ  
आने हैं इन लोगों को सुरक्षित अंत  
में पड़ना होगा।

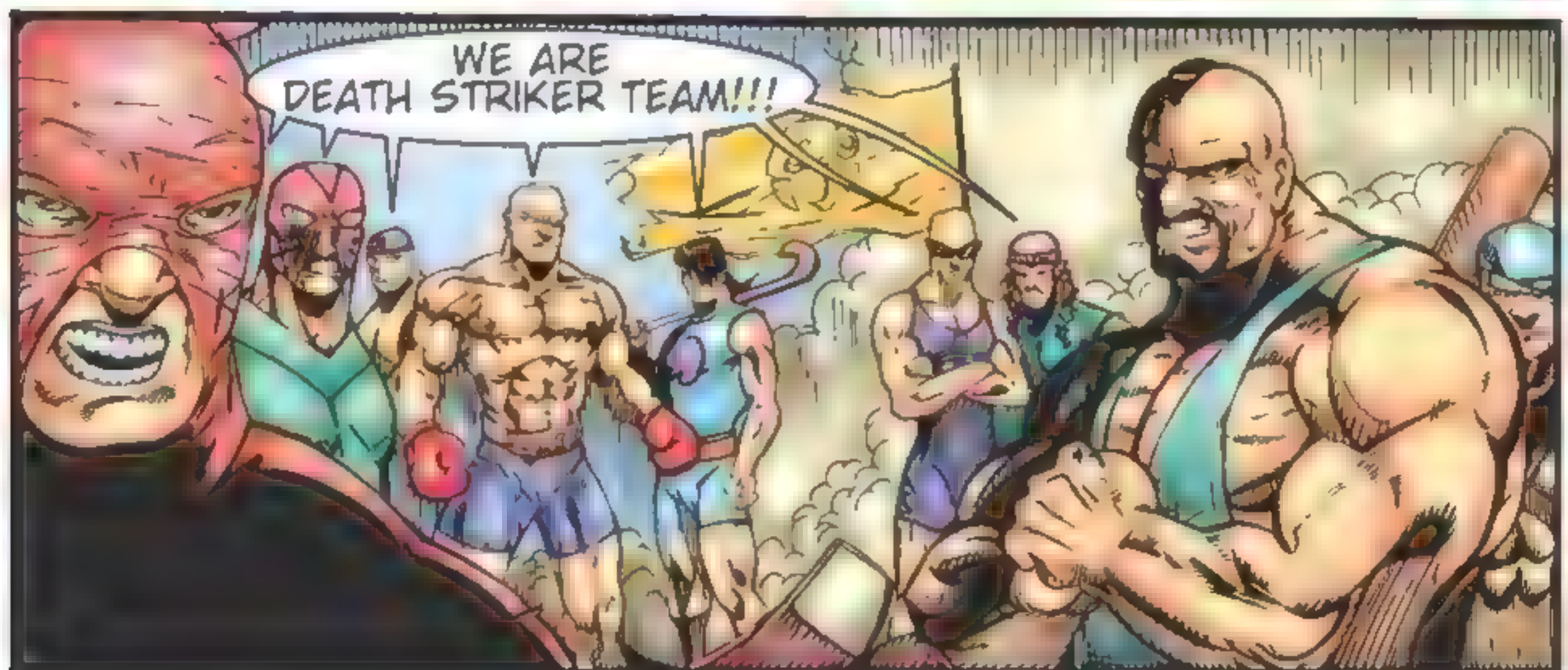


इस दुर्गम स्थिति में  
यह लोग और भी बर्बरता  
से बर्बरता करेंगे  
यह क्या है (??)

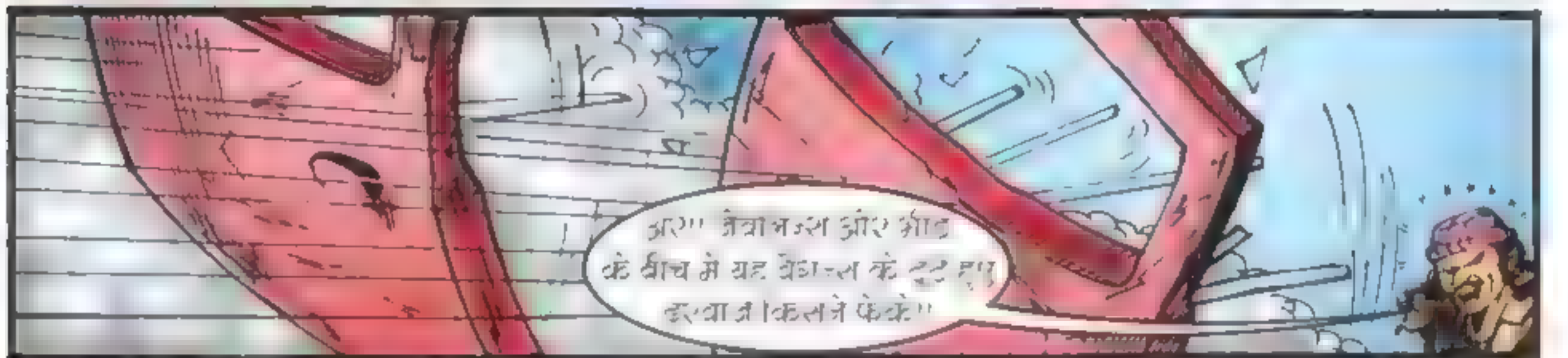
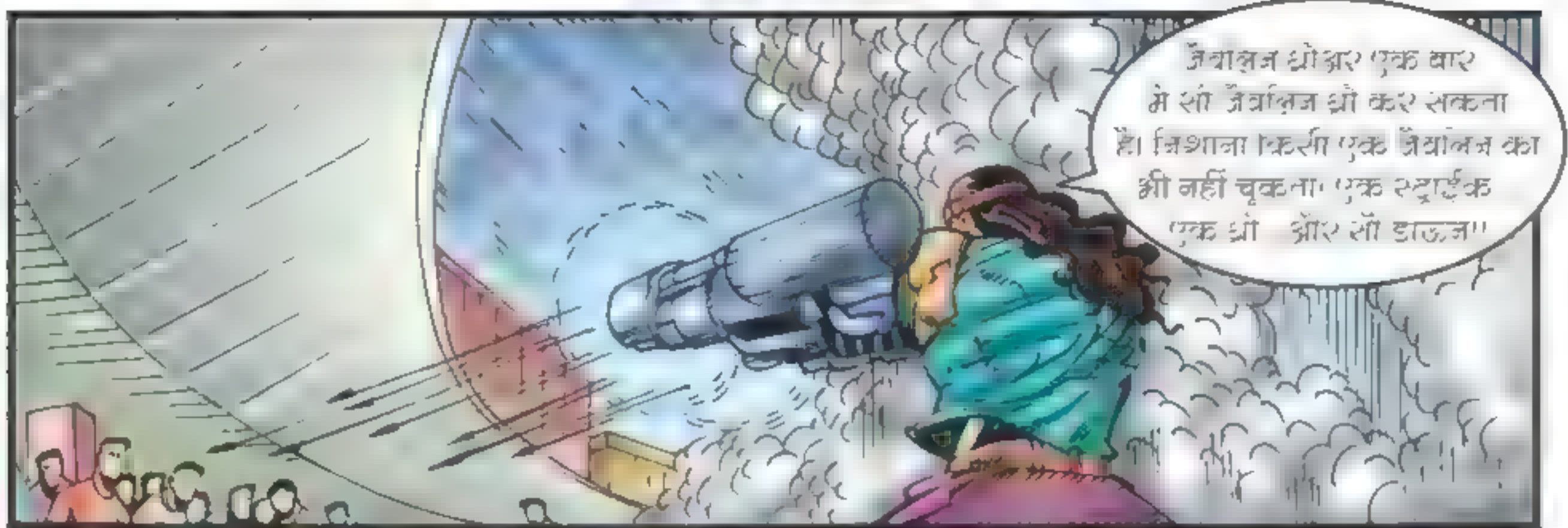
अगर इनकी  
मस्तिष्काधार बर्बरता नहीं होती  
तो इस बात की ओर मेरा  
ध्यान कभी नहीं जाता।



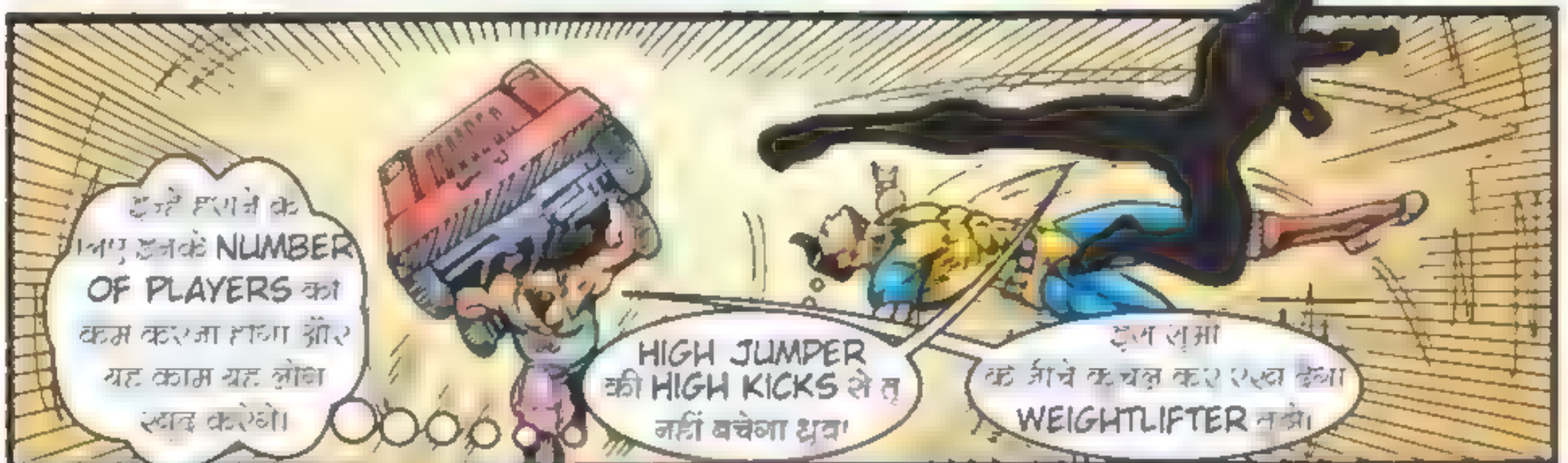




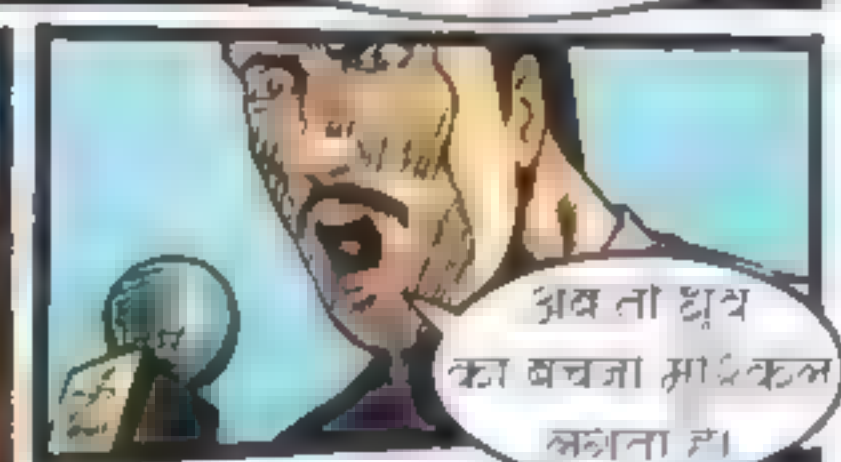
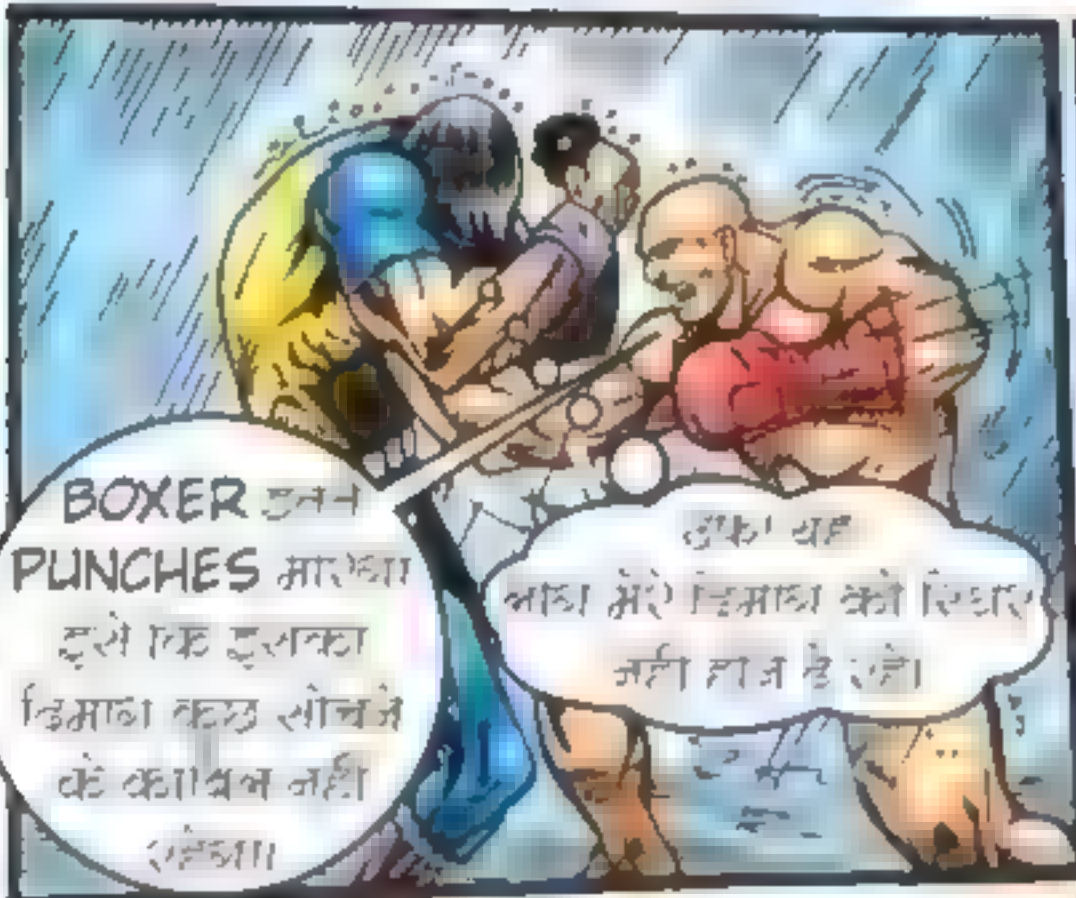
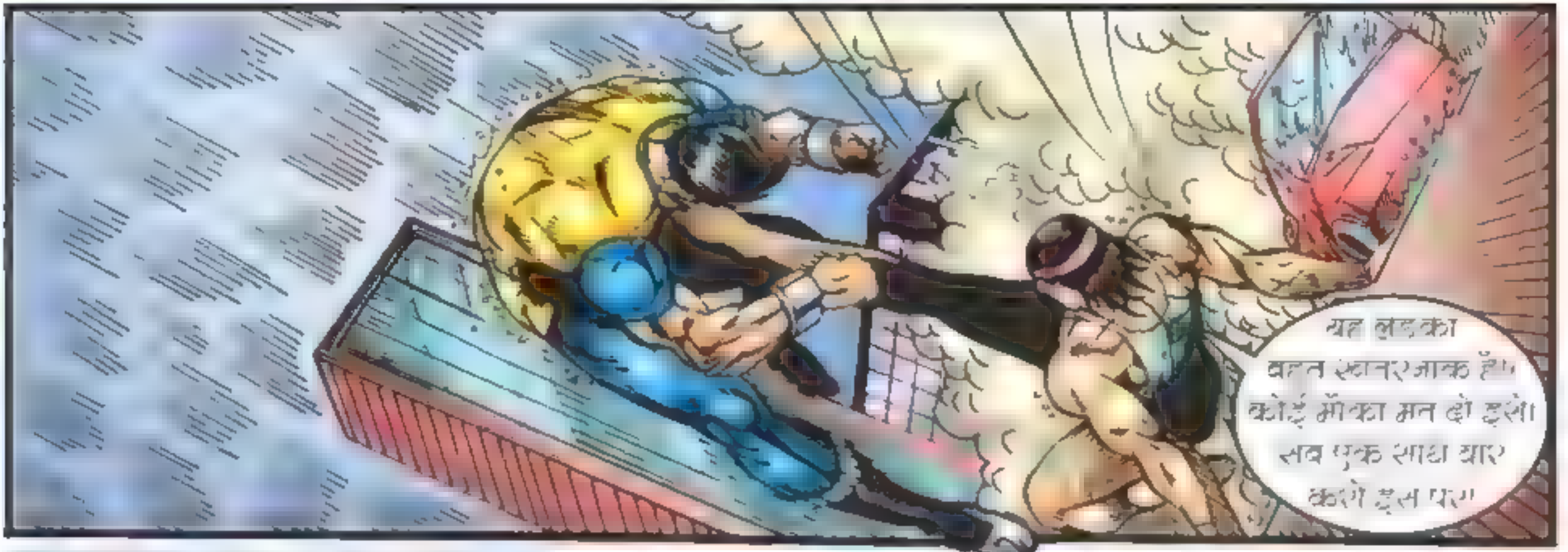




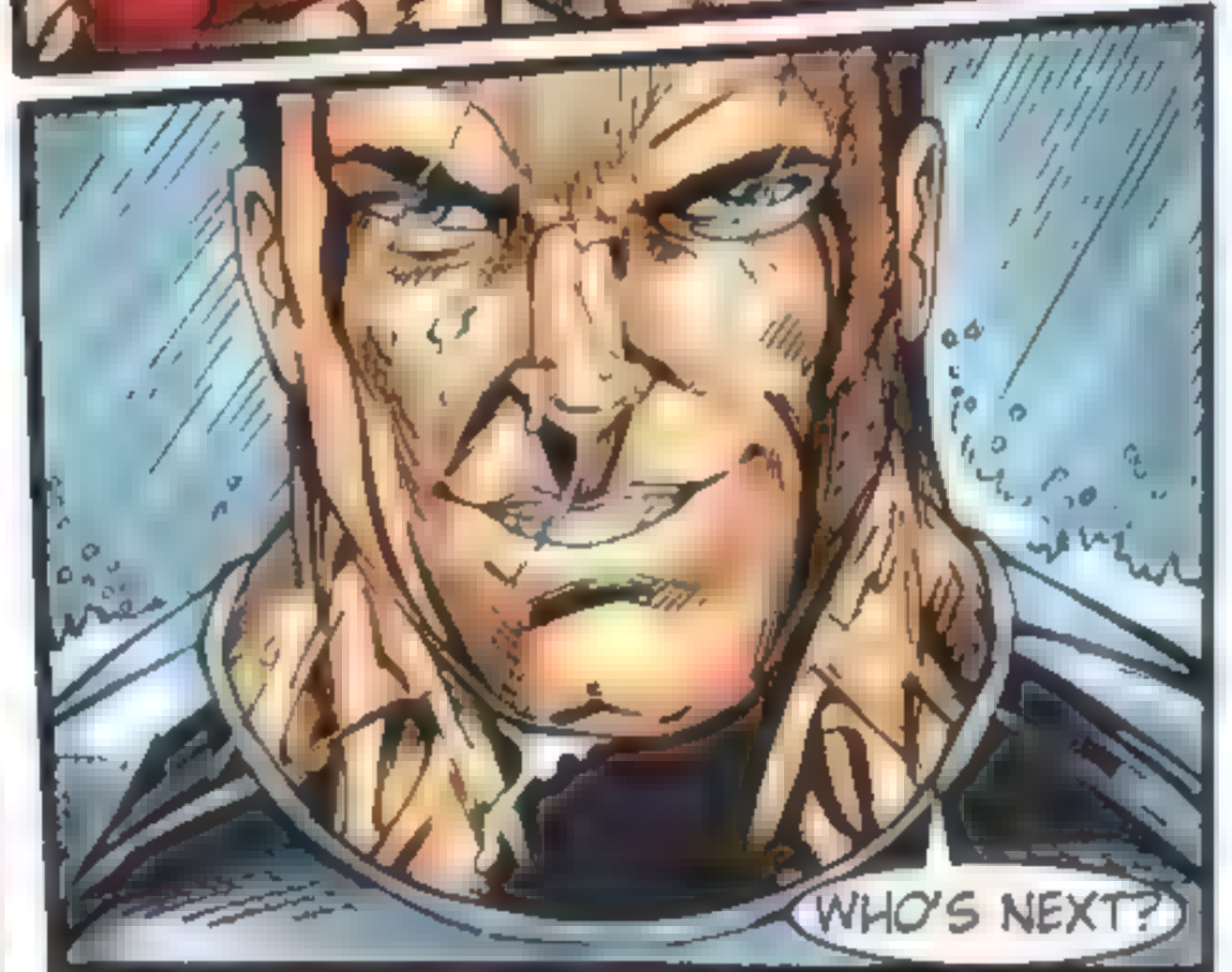
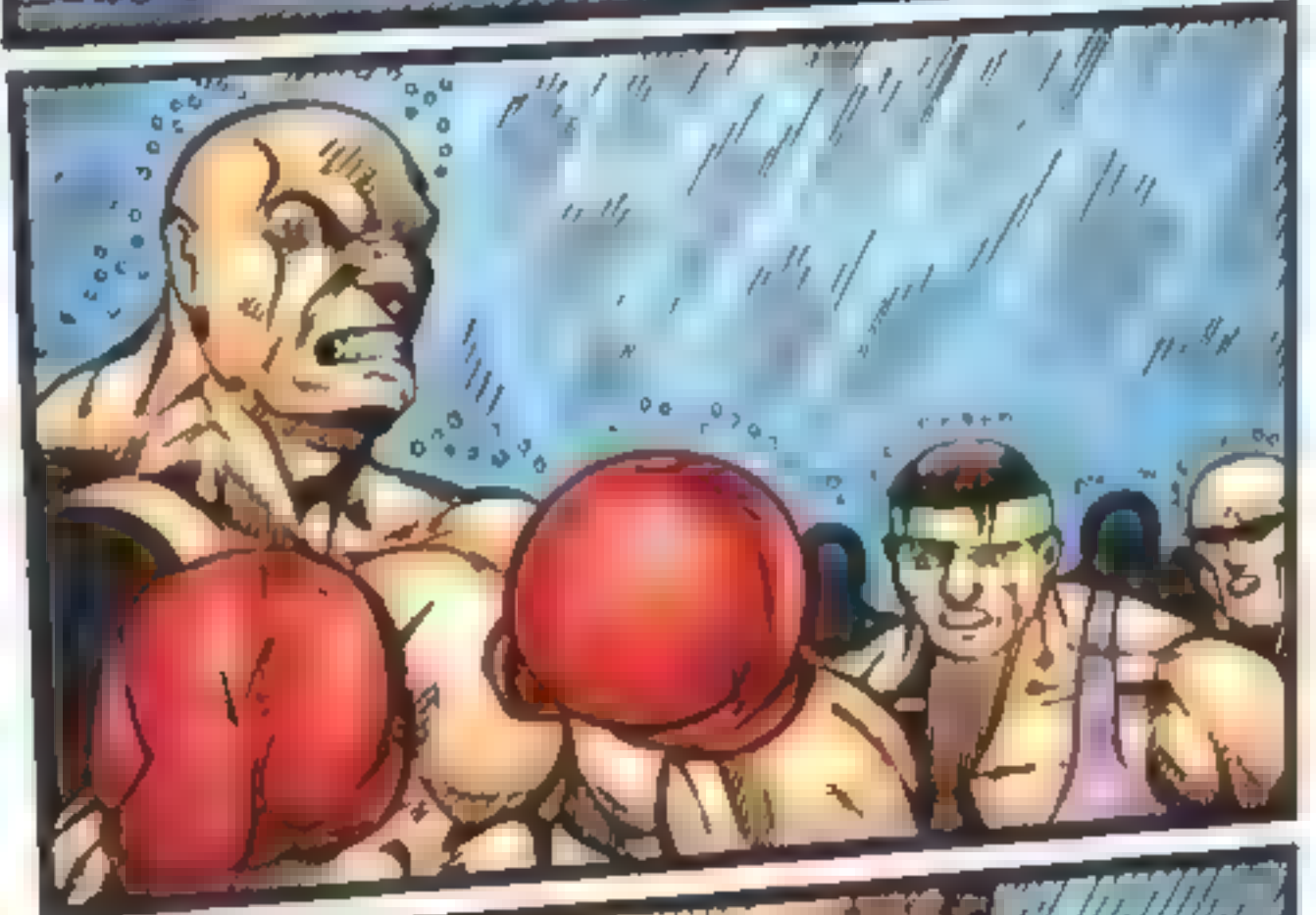
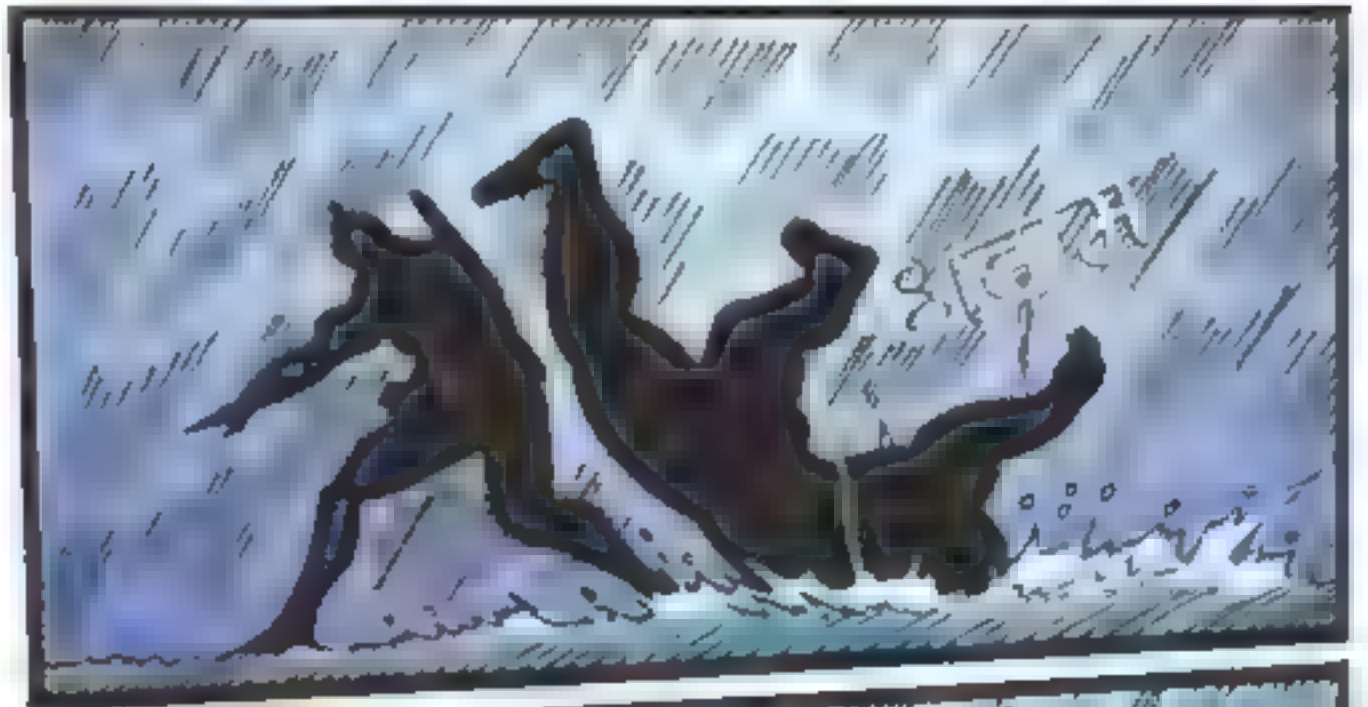




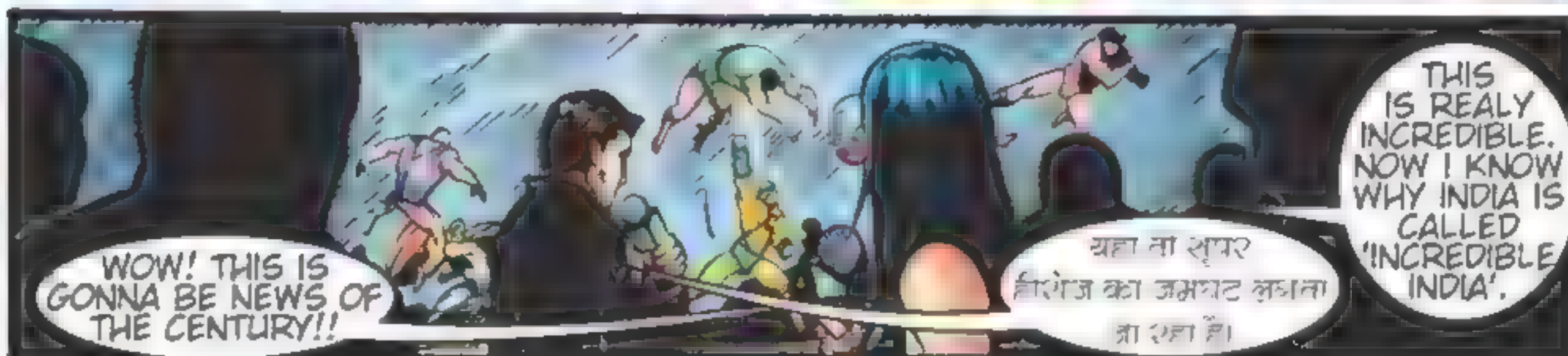
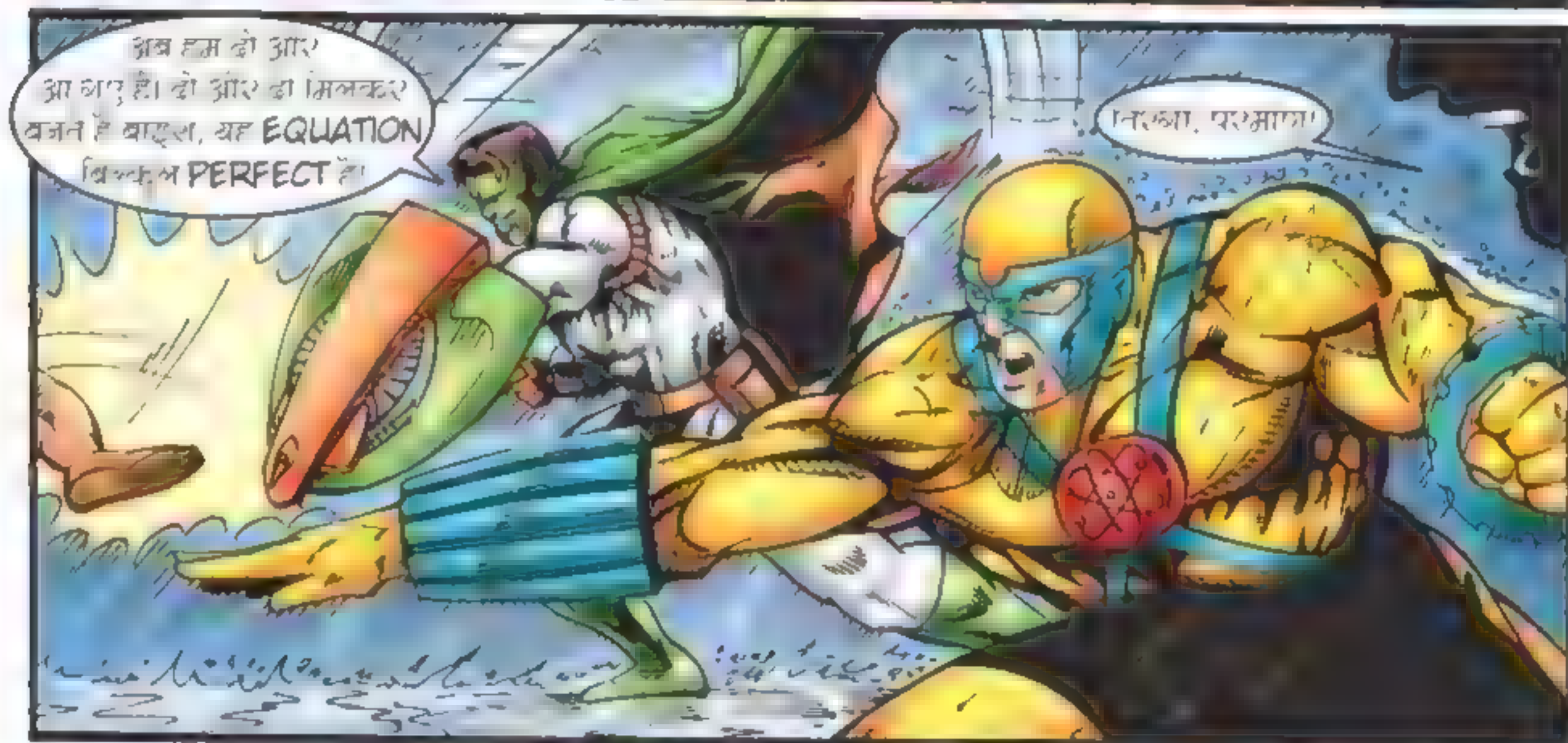
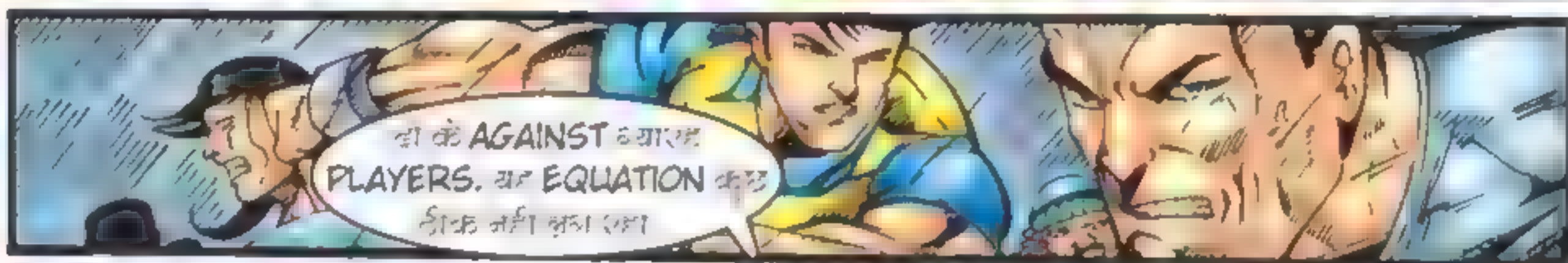
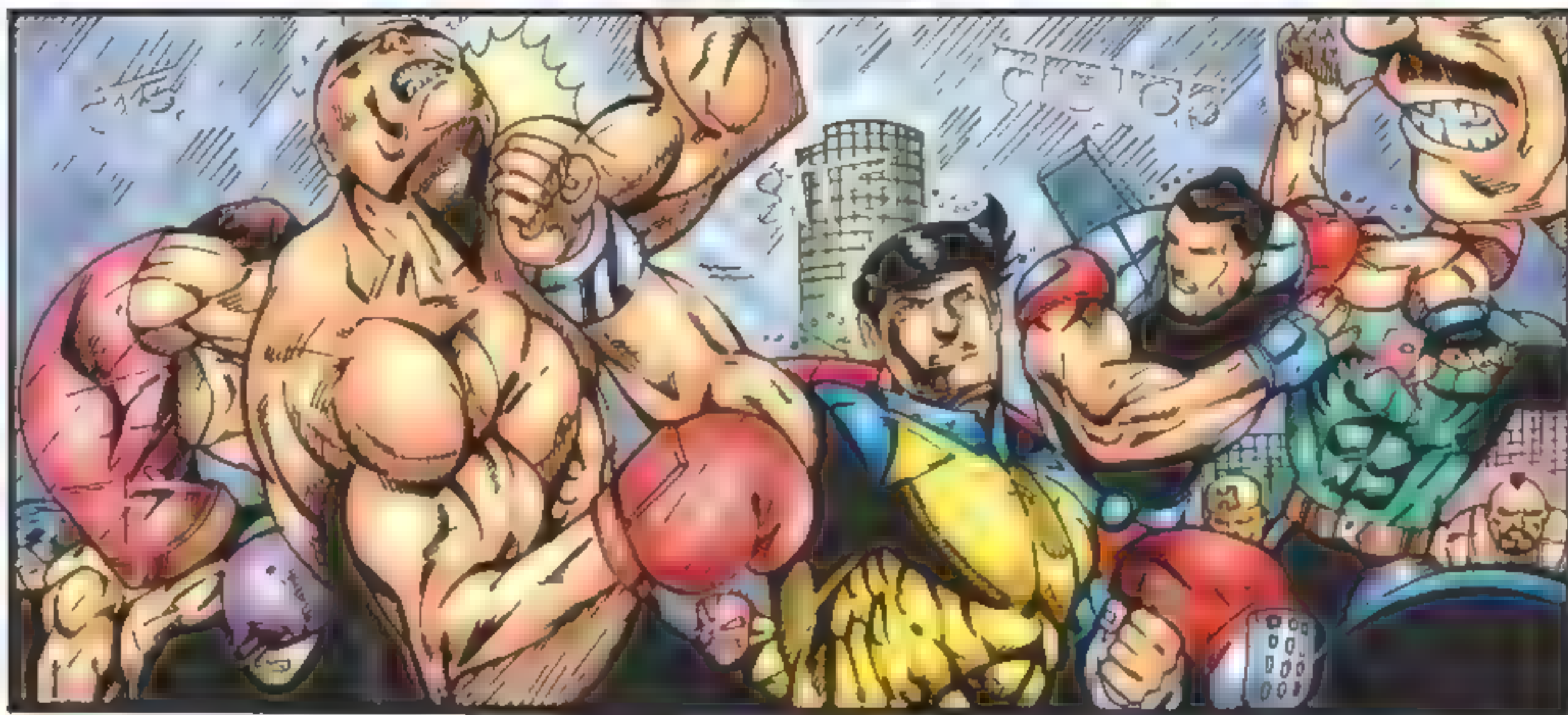
















AIRPORT SECURITY और LOCAL POLICE भी आ रही है इससे हमारे काम में बाधा नहीं पड़ेगी। सब जिक्र भी यहाँ से।



मे ATOMIC FILTRATED HEAT छोड़ना है। इसकी तीव्र परमाणु ऊष्मा इस धातु को और इसके अंतर का पत्र भार में धारण कर देगी और इसका FILTRATION इस इलाके के विषय मानक सिद्ध होने से रोकता है। ATOMIC FILTRATED HEAT ACTIVATE!!!





भाके का फायदा उठाकर  
**DEATH STRIKER TEAM**  
आवा निकाला।

**DON'T WORRY**  
यक़ीन! ऐसा मौका उन्हें दूसरी  
बार नसीब नहीं होगा।

अब सबसे पहला काम है  
विदेशी टीमों और सैनिकों को सुरक्षित  
**GAMES VILLAGE** पहुंचाना है।  
**COME ON GUYS!**



राष्ट्र मण्डल स्तंभों की  
**ORGANISING COMMITTEE** के अध्यक्ष मिलर  
केंद्रल भाषा ने परमाणु, तिरुवा, धुव व यक़ीन का नये  
दिल से शक्रिया अवा किया है। हमारे सवादाना से  
हमें यान चीन में उजाज कला एक



इन सभी घटनाओं के पीछे आनकी  
संयोजन का हाथ है। जिन्हें पड़ोसी  
मल्लक सपोर्ट कर रहा है। भारत में  
राष्ट्र मण्डल स्तंभ जैसे बड़े आयोजन  
सफलतापूर्वक सम्पन्न हो

यह पड़ोसी देश के हक़मरानी  
को मज़ूर नहीं। वो नहीं चाहते कि  
स्तंभ राष्ट्र के रूप में भारत का यश  
और औरव सारे विश्व में बड़े इस्तेमाल  
आनकी कार्यवाहियों से इस आयोजन  
में विध्वन डालने का प्रयास कर रहे हैं।



किन्तु मैं शक्यता देना चाहता हूँ। हमारे सपर हीरोज का त्रिकोण है  
आनकियाइयों के मजसूनों पर पानी फेर दिया। साथ ही उनसे अपील भी  
करना चाहता कि राष्ट्र मण्डल स्तंभों के दौरान दुर्घटनाओं और ख़तराओं की  
सुरक्षा करने में हमारी मदद कर क्योंकि मुझे अज्ञात है कि यह आनकियाइयों  
सबका भी कोई आप्रय घटना को अजाम देन का प्रयास कर सकते हैं।

क्या कहन  
हो डारना?

बादबद  
हैं दोरना, भारी  
बादबद हैं।

कैसी बादबद  
तिरुवा?



COMMONWEALTH  
GAMES को MEDIA यं ही  
CORRUPT WEALTH GAMES  
के स्वितास से नहीं नवाज रही।  
CHIEF VIGILANCE  
COMMISSION की रिपोर्ट  
के मुताबिक C.W.G. के हर  
INFRASTRUCTURE WORK में  
RULES AND REGULATION  
का ताक पर रखा कर  
काम हुआ है।



टेडर्स और प्राईस काटेजस में भारी हर कर है। विदेशी  
FICTITIOUS COMPANY से सामान व उपकरण मंगाने के  
नाम पर करोड़ों रुपय का घोटाला हुआ है। यह FICTITIOUS  
COMPANY C.W.G. की ORGANISING  
COMMITTEE से निर्मासित अधिकारी के सी  
आटिया के आ जे कैश पटेल की है।

सिर्फ हुनता ही नहीं इस मंत्री को हरिध की  
स्वावर ओ सी के अध्यक्ष के पुन माण को भी थी क्योंकि  
सामान मंगाने के बिना ओ जे बापु PAPERS पर स्वाड उसके  
साईन है, जिनके बिना यह सामान मंगाया ही  
नहीं जा सकता।

MY GOD, TIRANGA YOU ARE RIGHT!!! स्वामी  
को प्रोत्साहन और देश के स्वेस राइट होने के बर्य क  
नाम पर तो यह स्वेस अधिकारी देश का, देश के  
आम इंसान के स्थित परीजे से कमाए हुए  
धन का हनन कर रहे हैं।

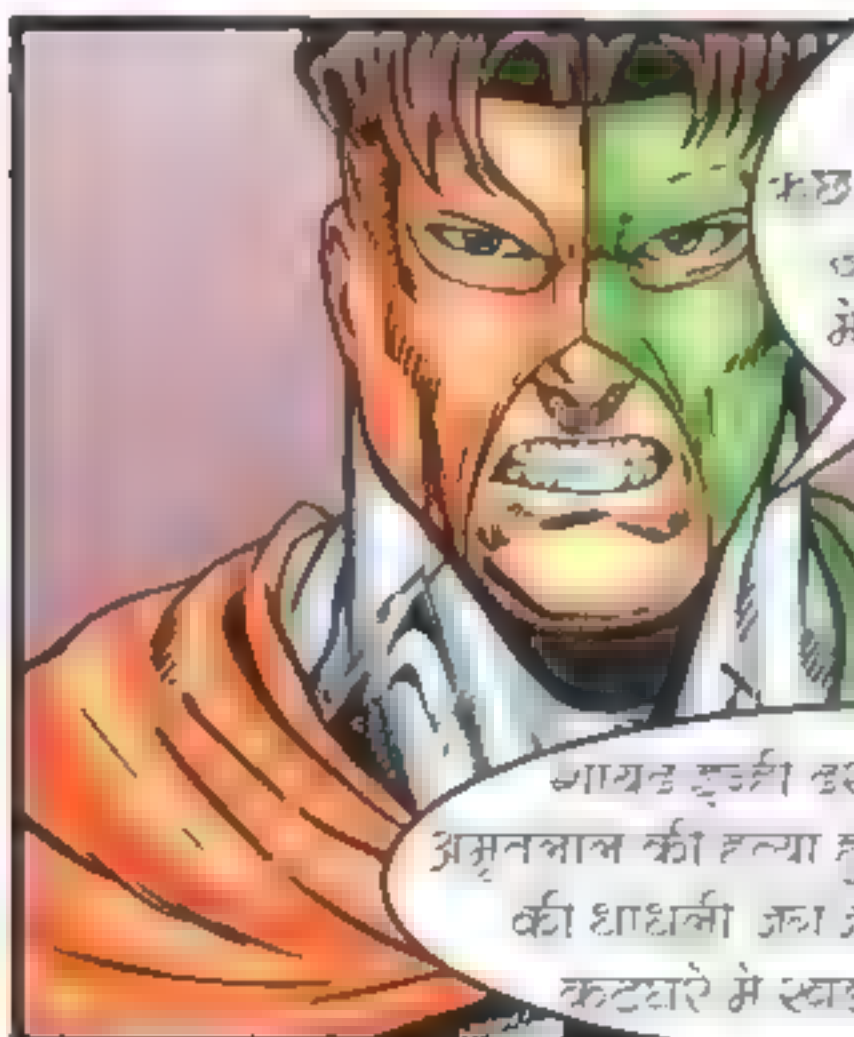


यह देश के हर उस ईमानदार  
टैक्स पेयर के साथ विव्यासमान है जो  
देश के विकास और तरक्की के नाम पर  
अपनी मेहनत की कमाई टैक्स के स्थ में देना  
है, जिसे वे आज पूरी बराबरी से स्वामी के  
नाम पर अपनी जेबो में भर रहे हैं।



तुम्हें यह सारे  
DOCUMENTS कहा  
से मिले?

उस रात मरने वकत अमननाथ  
ने मुझे C.W.G. में हो रही धांधली के  
बारे में हिंट दिया था और यह चाबी ही थी। वो  
कछ और बना पाता उससे पहले ही उसके प्राण परखोर  
उठ बापु इस चाबी का ताका स्वेस जे के चक्कर  
में मेरे अमननाथ का सारा घर धाज मारा ताका  
तो जही मिना पर दया के रखा बापु यह  
दस्तावेज मेरे हाथ लज बापु।



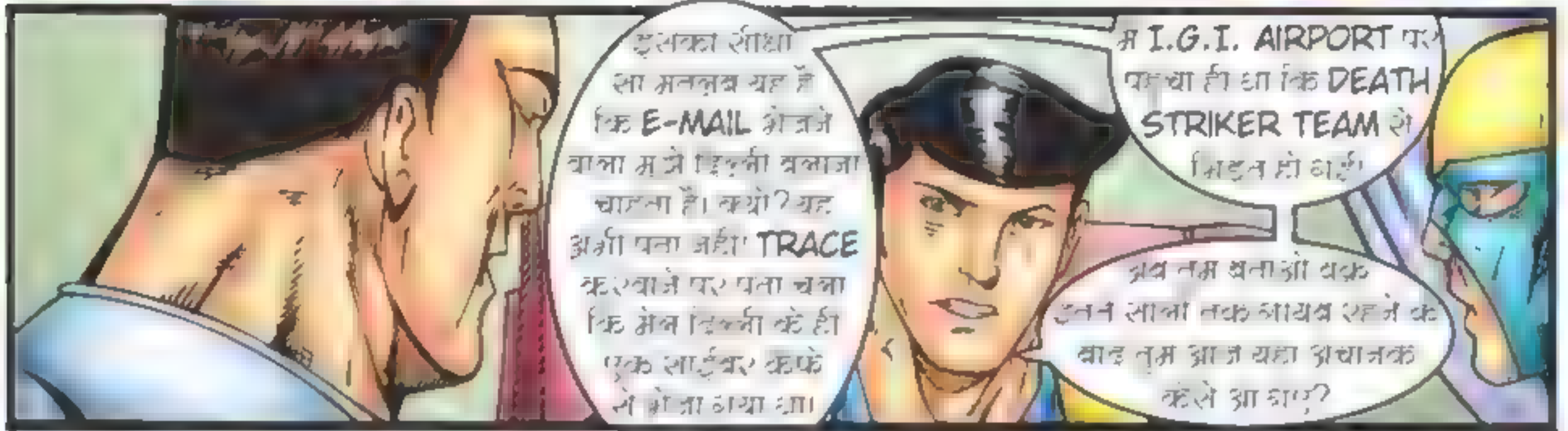
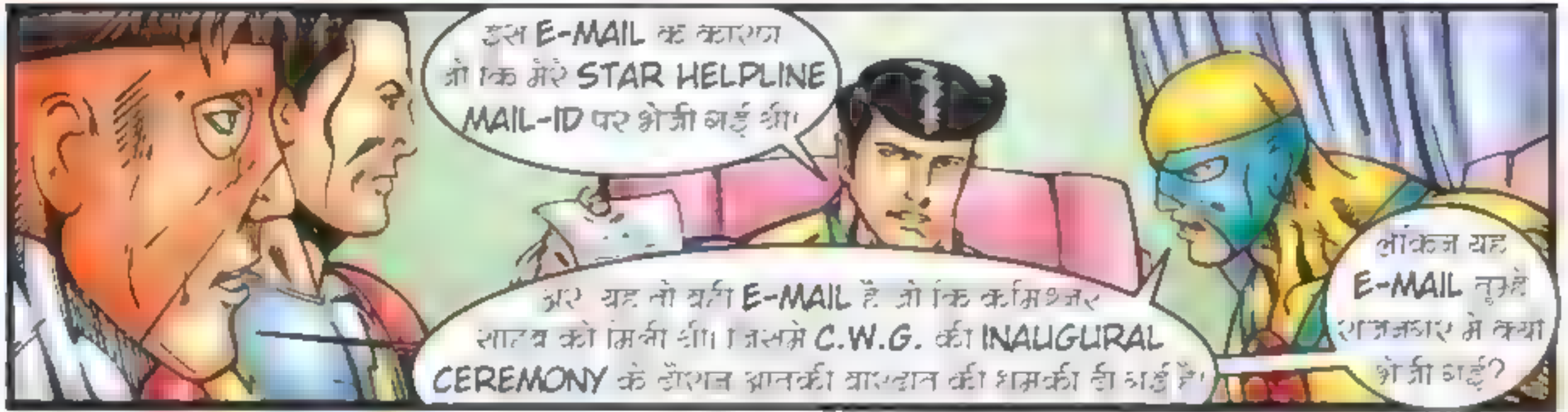
जायद इन्ही दरनाकरी के कारण  
अमननाथ की हत्या हुई हा। वो कभी भी O.C.  
की धांधली जवा जाहिर कर के उनको  
कटघारे में स्वादा कर सकता था।

यह भी एक कारण  
हो सकता है पर यह अकेला  
कारण नहीं है। अभी तक मैं  
इस चाबी की जुन्धी नहीं  
सजझा पाया ह।

तुम अचानक  
यहा कैसे आ बापु  
धन?



## हम होंगे कामयाब

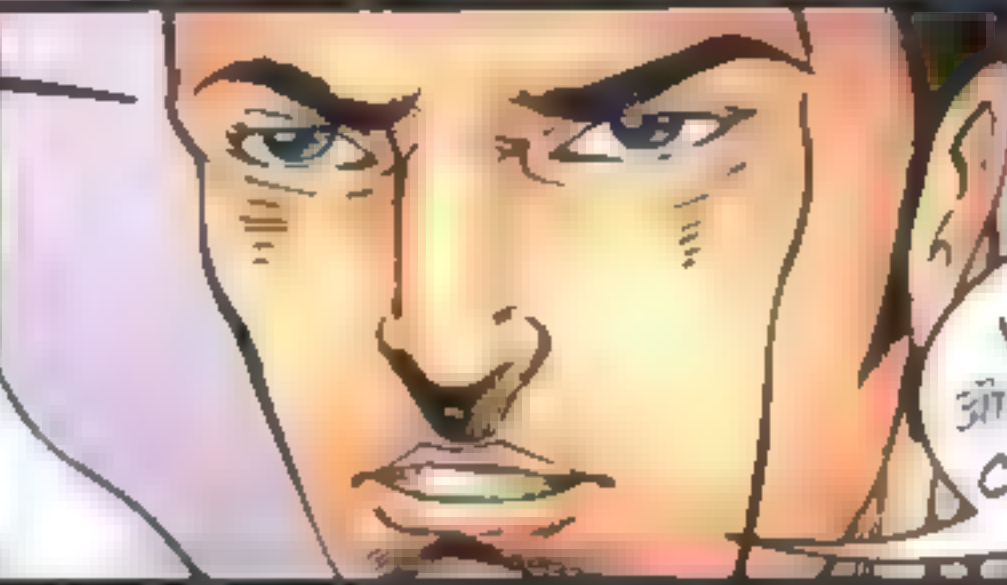




हमारे शत्रुओं की बात अपनी जगह है पर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कोई आतंकी सभाजन C.W.G. को बर्बाद करने पर तैयार है। कटर्वाइवर और शटलर नामक बुद्धों का जवाहर माल जेम्स स्टेडियम को SABOTAGE करने का प्रयास करना और DEATH STRIKER TEAM का विदेशी स्थानों पर हमला इसी और इशारा करना है।



राष्ट्र मण्डल स्तंभ, इसमें भाग ले रहे स्थानाधी, टीमें व दर्शक सभी की सुरक्षा और देश का सम्मान स्तंभ में है।



हम चारों को मिलकर काम करना होगा।

परमाणु और बक GAMES VILLAGE की सुरक्षा देखभाल में और तुरन्त इस आतंकी सभाजन और C.W.G. कर्मचारियों में छुपे उजकें गोदों का पता लगायें।

INAUGURAL CEREMONY में भाग ले रहे सभी व्यक्ति हैं। WE MUST ACT FAST!

देश के सम्मान पर ना आने देंगे आंच, चार सपुत भारत माता के भेने हैं कसम आज। दुश्मन को हम केने माल, स्तंभ की आज बचाव में हम होने कामयाब।



LETS GO GUYS!!

आप एक बात तो मैं बनाता भूल ही गया।

मलबाधार बारिश से बचने के लिए जब मैं दो बाण्डों को उठा कर स्टेडियम की दर्शक दीर्घा में पहचा तब मेरा ध्यान इस ओर गया कि नया जर्मन दर्शक दीर्घा में बारिश का पानी बगी नल्ल रिस रहा था।

साफ जाहिर है कि दर्शक दीर्घा के निर्माण में गलतियाँ RAW MATERIAL का प्रयोग किया गया है।

यानि स्तंभों के दोरान बर्बाद हुई।

नो दर्शक दीर्घा की छत

कभी भी दर्शकों पर छिर सकती है।

यानि आतंकवादी हमने जितना बड़ा स्तंभ O.C. की लापरवाही भी है जो कि लास्या लोगों की मौत का सबब बन सकती है।





THANKS VAKRA,  
तुम्हारी वान ने मेरी मशिकम  
आसान कर दी! अगर मेरी थोड़ी  
सही निकली तो हम जल्दी ही  
आतकवादी सभतन के सरका ना  
तक पहुच जायेंगे।

जब दो धरज्जर  
दिताकतव हीरो  
एक साथ एक ही  
जबह ही तो यही  
होता है।

चल भाई सस्पस इज्जी दोना  
पर छोडते है और हम दोना चल कर कुछ  
एकजन-वेकजन करने है।

अगर नम श्री यही सोच  
रहे हो निरुवा जो में सोच रहा ह  
नव ना थाकई हम आतकवादियों  
तक पहुच ही नपु है।

अरे पर  
में ने क्या  
कहा?

भाट कर  
बनाना है। COME  
DHRUVA.

बधा की टीम बजाई न न। चारो लार  
हीरो ज ने मिलकर नर स्थलादिया  
की स्थान और हमारे प्लाज  
दोना में अम आर दी।



सुपर हीरो ज के बीच में आज  
से काम में तात्त्वम बढ गया है। मुझे  
इस काम की ओर कीमत चाहिए।

कीमत। न मझसे कीमत माग रहा है।  
पुहलान करामोश। अगर में नहीं होता  
तो न आज श्री या तो राजनगर  
आलेनामन संग में या फिर जेल की  
काल काउरी में लड रहा होता।



मैं न डरे वहा से निकाल कर स्थान  
अपराध जवन का काच बनाया  
और तु मझसे कीमत माग रहा है।

तुमने जो श्री किया उसमें  
तुम्हारा श्री कायदा था। थोड़ा घाल से  
बोस्ती करेगा तो स्वागुण क्या? यह समय  
आपस में लडने का नहीं मिल जल  
कर काम करने का है।

डोक है। भोकरन परमाणा ने  
तुम्हारे जिन दो आकर्मियों की पकडा  
है अगर उन्होंने हमारे स्थलापक  
मह स्थान दिया तो?



मेरे सिवाय मेरे किसी  
श्री स्थलादी ने ना तो तुम्हें कभी  
देखा है ना ही सुना है। INAUGURAL  
CEREMONY की प्मार्निग की हमारे  
अलावा जिन्हें स्वर थी उनमें से एक  
नो गया बाकि तीनों का बन्दोबस्त भी  
हो चुका है। शटलर और फटबॉम्बल  
अगर अपना मह स्थोलेवे श्री तो सिर्फ  
कोच के बारे में ही बना था।



आर काच के बारे में जान कर श्री  
पुनिस या सुपर हीरोज कोच का काम  
नहीं किया। पाएँगे क्याक असल में  
कोच कोच है इसकी स्वर कोच के  
स्वभावियो तक को नहीं है।

हमारे PARA BOMBERS की टीम  
GAMES VILLAGE में जो पुरानी तबली मचाओ कि दिल्ली ही नहीं  
सारा हिन्दुस्तान हिल जाय, इसके बाद भी यदि 3 OCTOBER को C.W.G.  
की INAUGURAL CEREMONY हुई तो उसके बाद हमारा  
फाइनल मात्र तो है ही और इस बार मुझे  
कोई शक नहीं चाहता।

परा बॉम्बर्स लिफ्ट  
मौत के स्थानों में शामिल  
होते हैं मरणा।

यह तो बमबारी  
कर रहे हैं आज।  
यहां से।

इसकी तादाद  
बहुत ज्यादा है कहा  
आज?

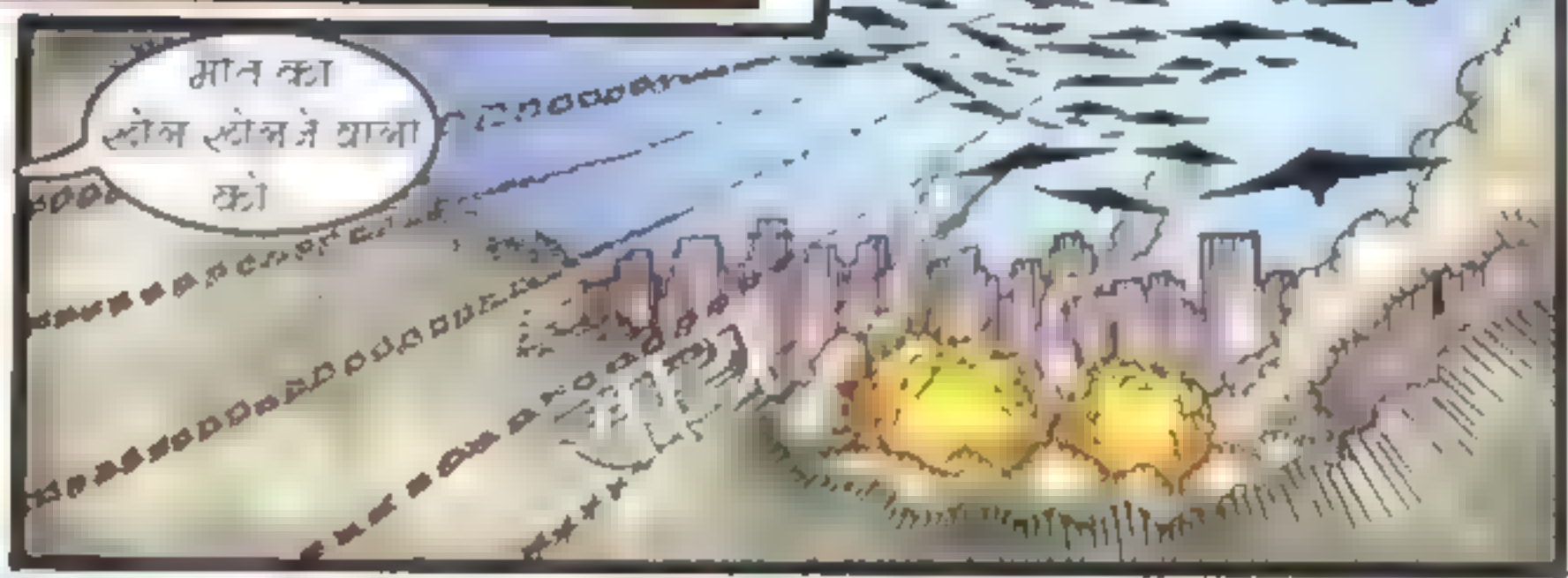
GAMES VILLAGE,  
NEW DELHI.

सबसे पहले परा  
बॉम्बर्स की प्रोक्टस कोच  
की टीम कर रही है?

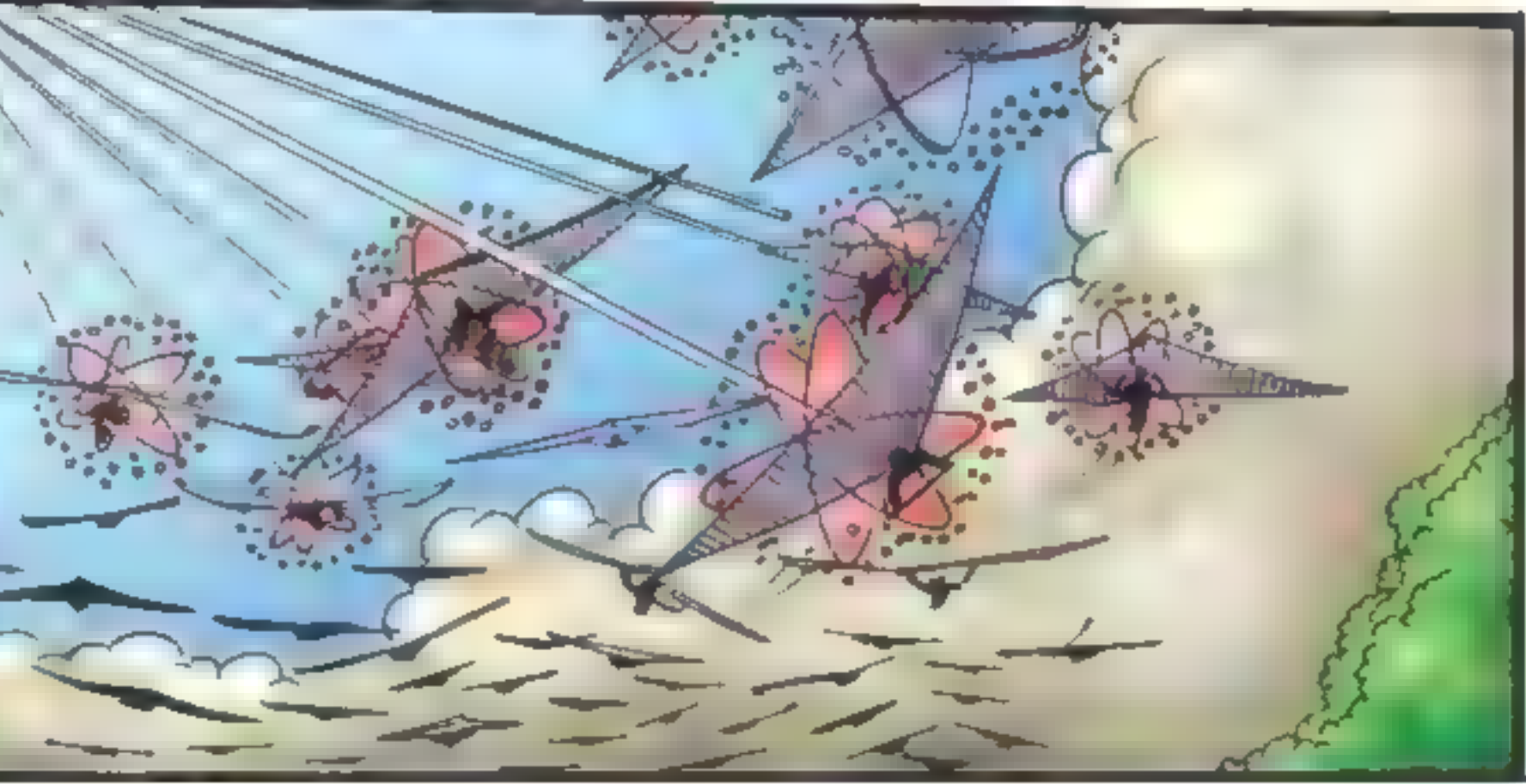
परा बॉम्बर्स  
इवेंट तो C.W.G. में  
आरम्भ की नहीं है।



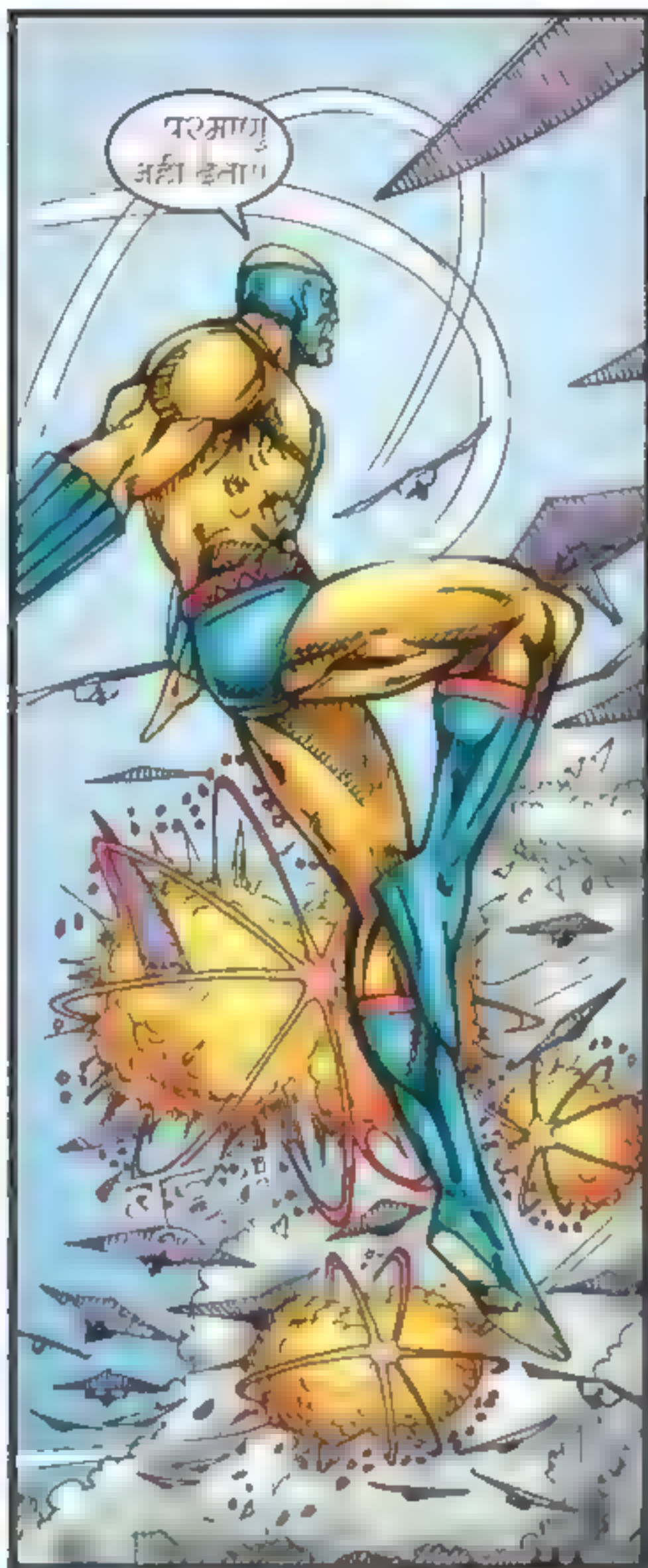
त्रिज्वा रज  
का अधिकार



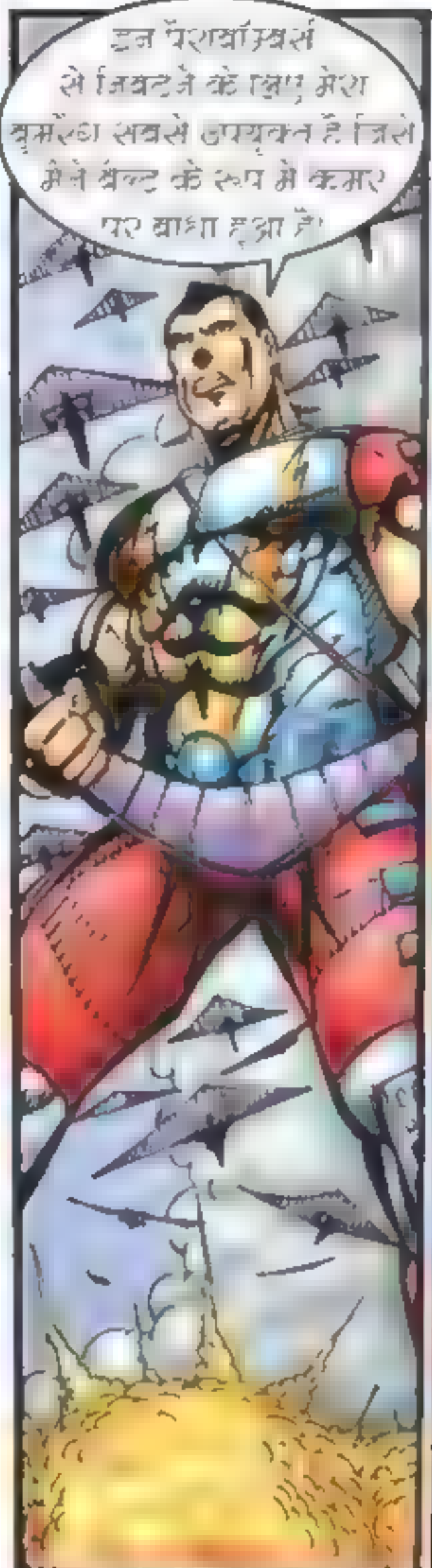
मान का  
सोन सोनने यात्रा  
को



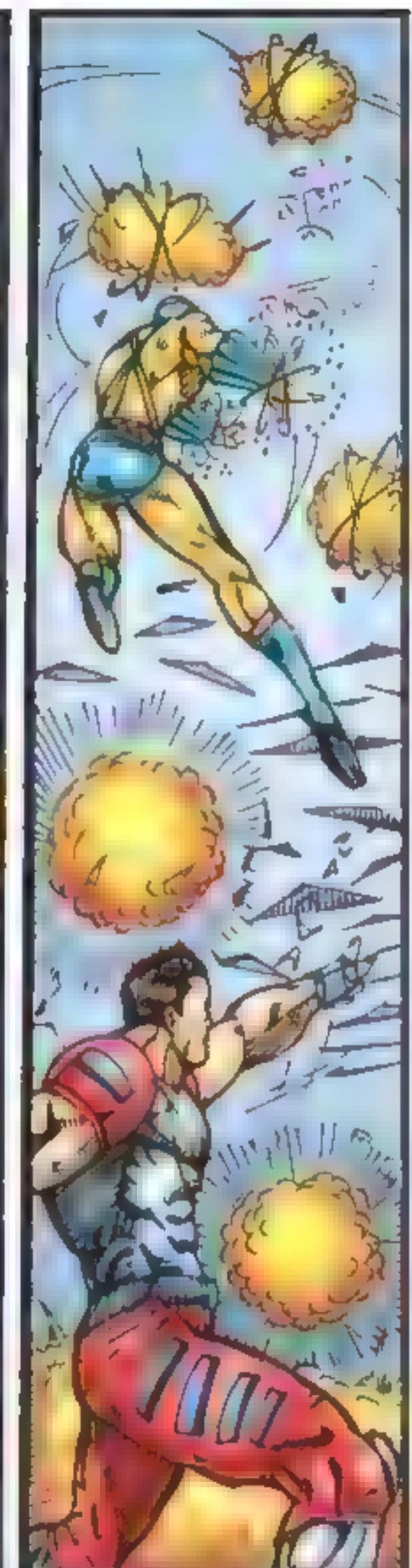




परमाणु  
नहीं देना।



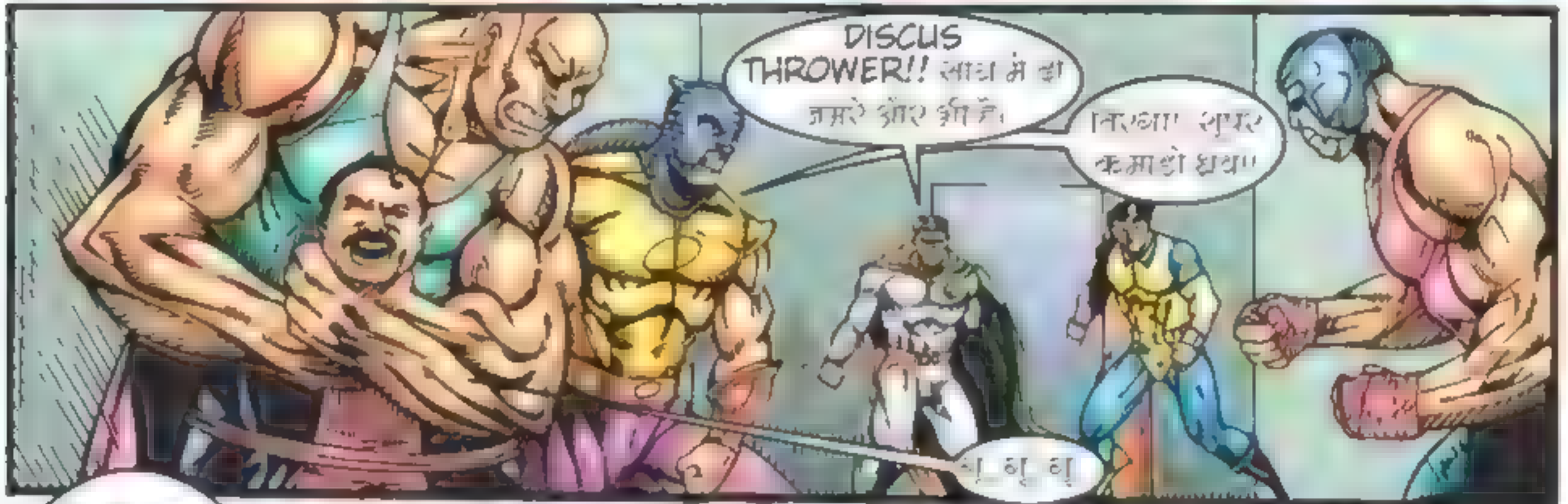
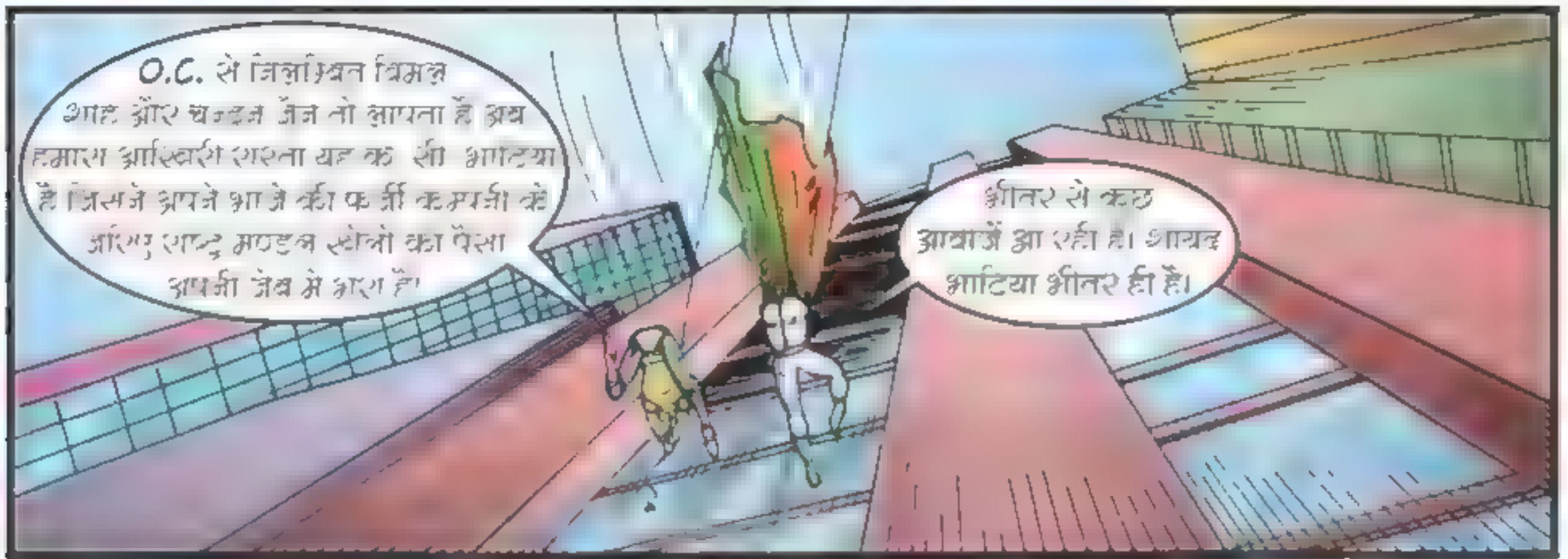
इन परमाणुओं से  
जिवटने के लिए मेरा  
बमरंग सबसे उपयुक्त है जिससे  
मैंने बल्ल के रूप में काम  
पर बाधा हुआ है।



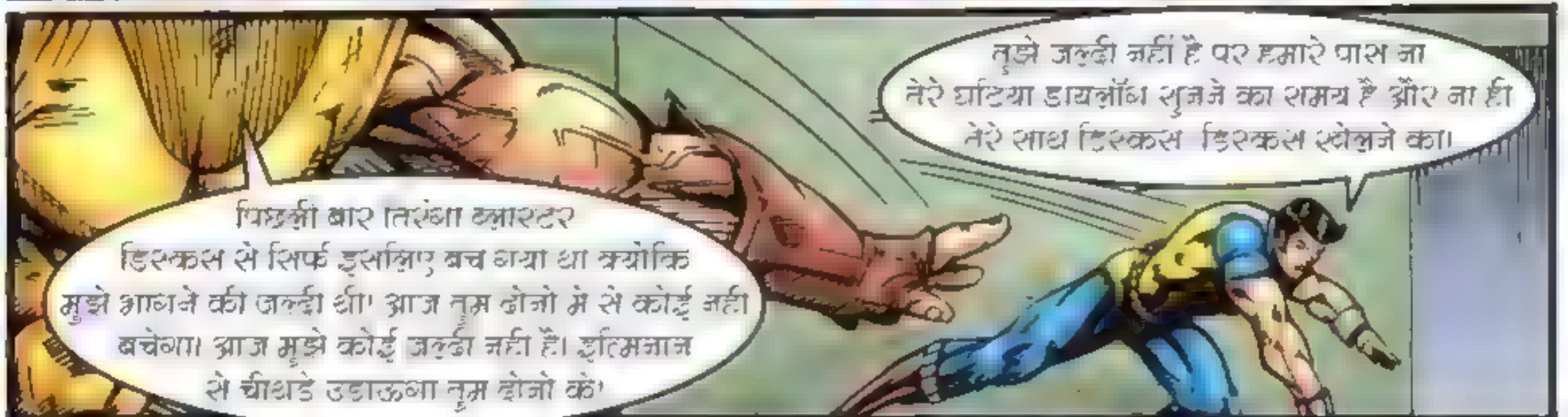
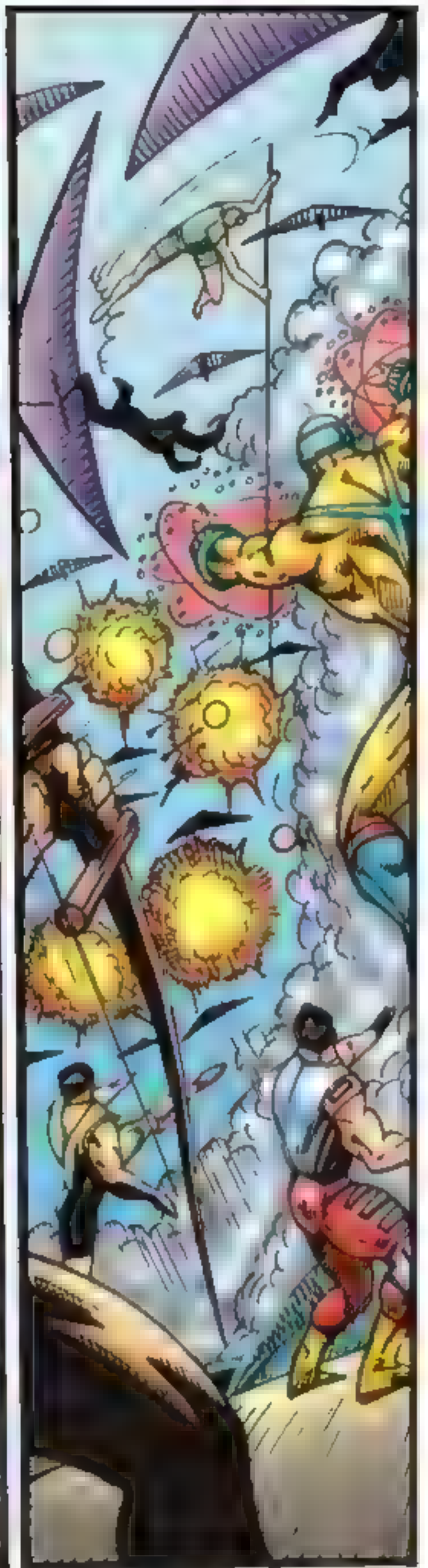
यह सारे के सारे एक  
साथ हम पर बम वर्षा कर रहे  
हैं। ज्यादा देर तक इन्हें डाल  
दे पाना मांसकर्म है।

उफ! इनकी सल्ल्या  
तो बढ़ती ही जा रही है बक।  
मेरे परमाणु छल्ल और तुम्हारा  
बमरंग इनके लिए काफी  
नहीं पड़ रहा है।











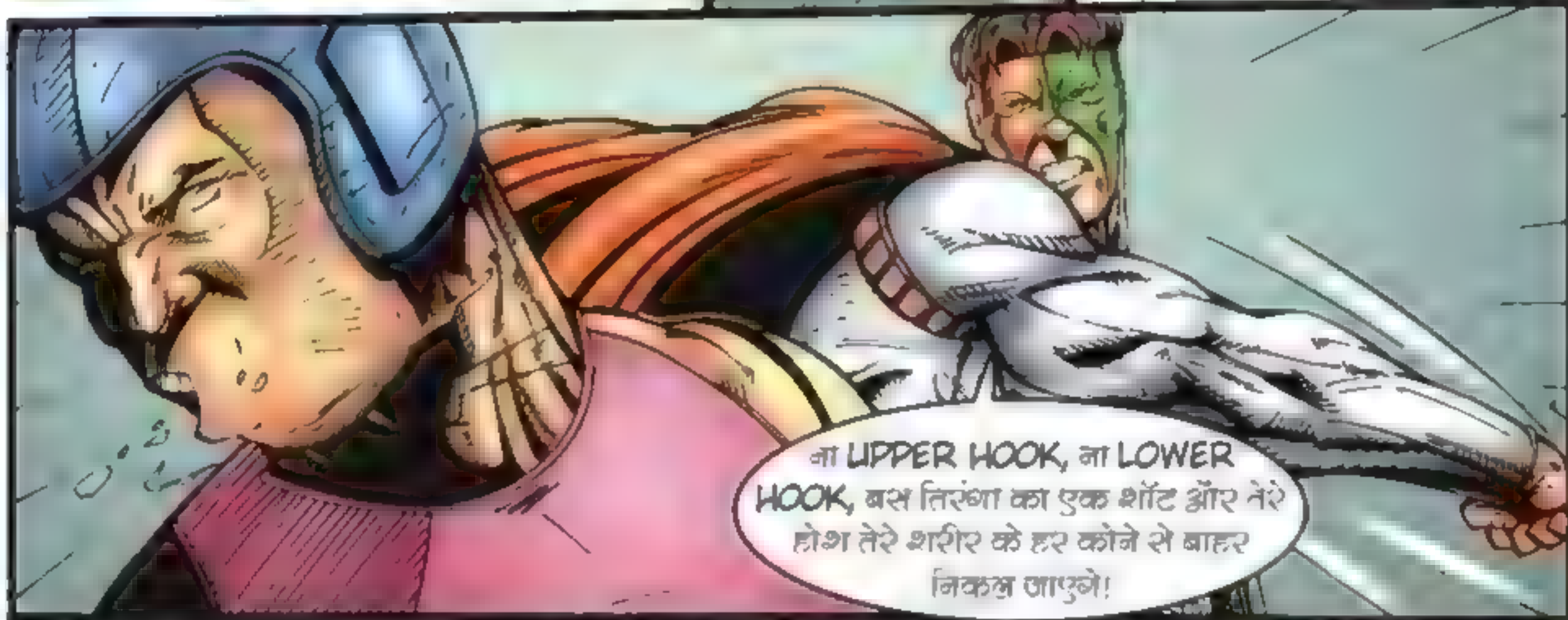
हुक का UPPER HOOK PUNCH दुश्मनों की अंगड़ियां मुंह से बाहर निकाल देता है और LOWER HOOK PUNCH अंगड़िया कर्हा और से निकालता है।



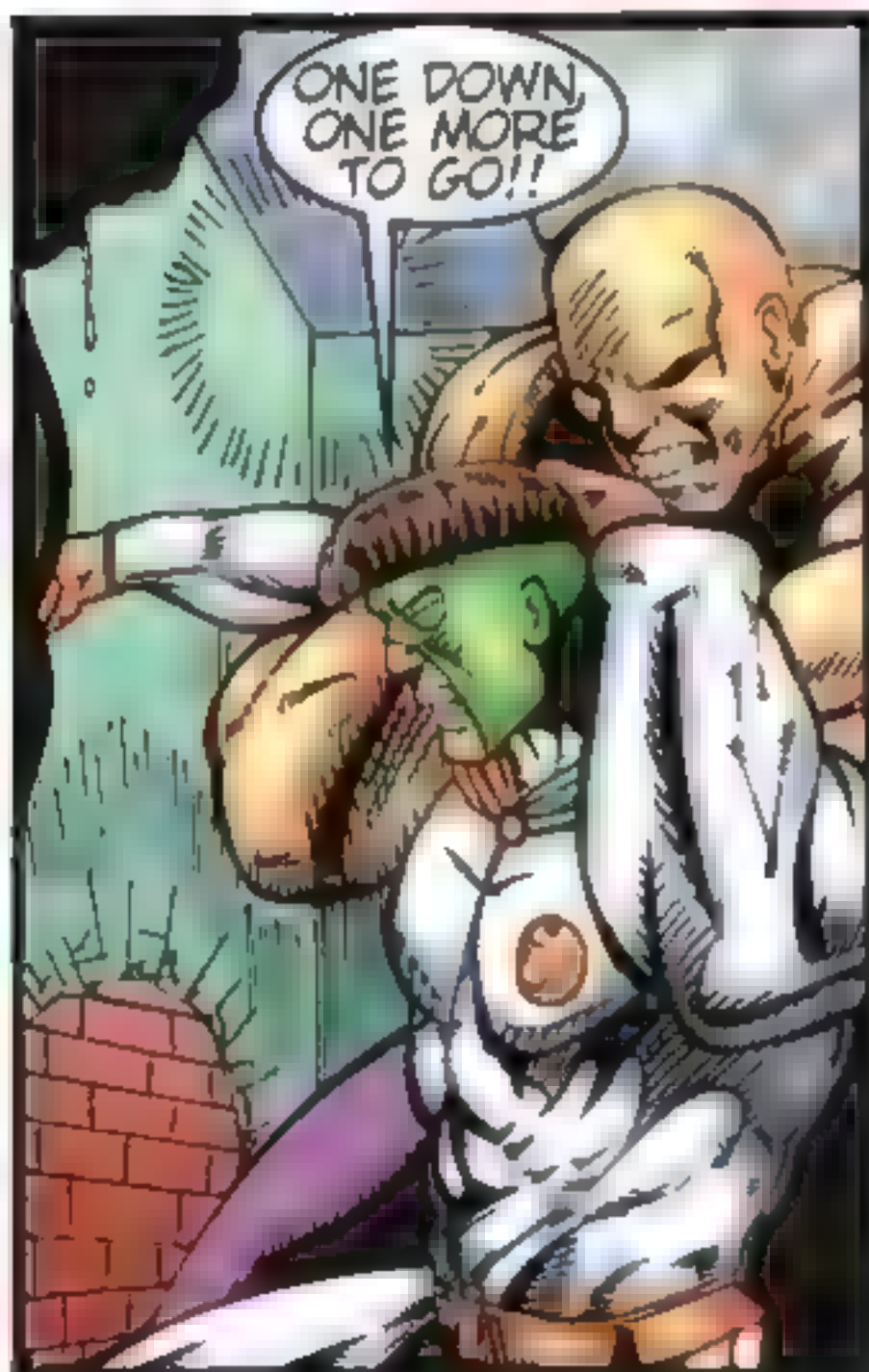
बना तिरंगा अपनी अंगड़िया कर्हा से निकालवाना चाहेंगा।

दाल से मार स्थाया शिप सम्भल रहा है और हुक के चार भी आक्रामक होने जा रहे हैं।

और यह विक्कन सही समय है अपनी दाल में पुसेम्बल किए हुए नई धियर्स और बैजेट्स की ट्रेस्टिंग का।



ना UPPER HOOK, ना LOWER HOOK, बस तिरंगा का एक शॉट और तेरे होश तेरे शरीर के हर कोने से बाहर निकल जाएंगे!



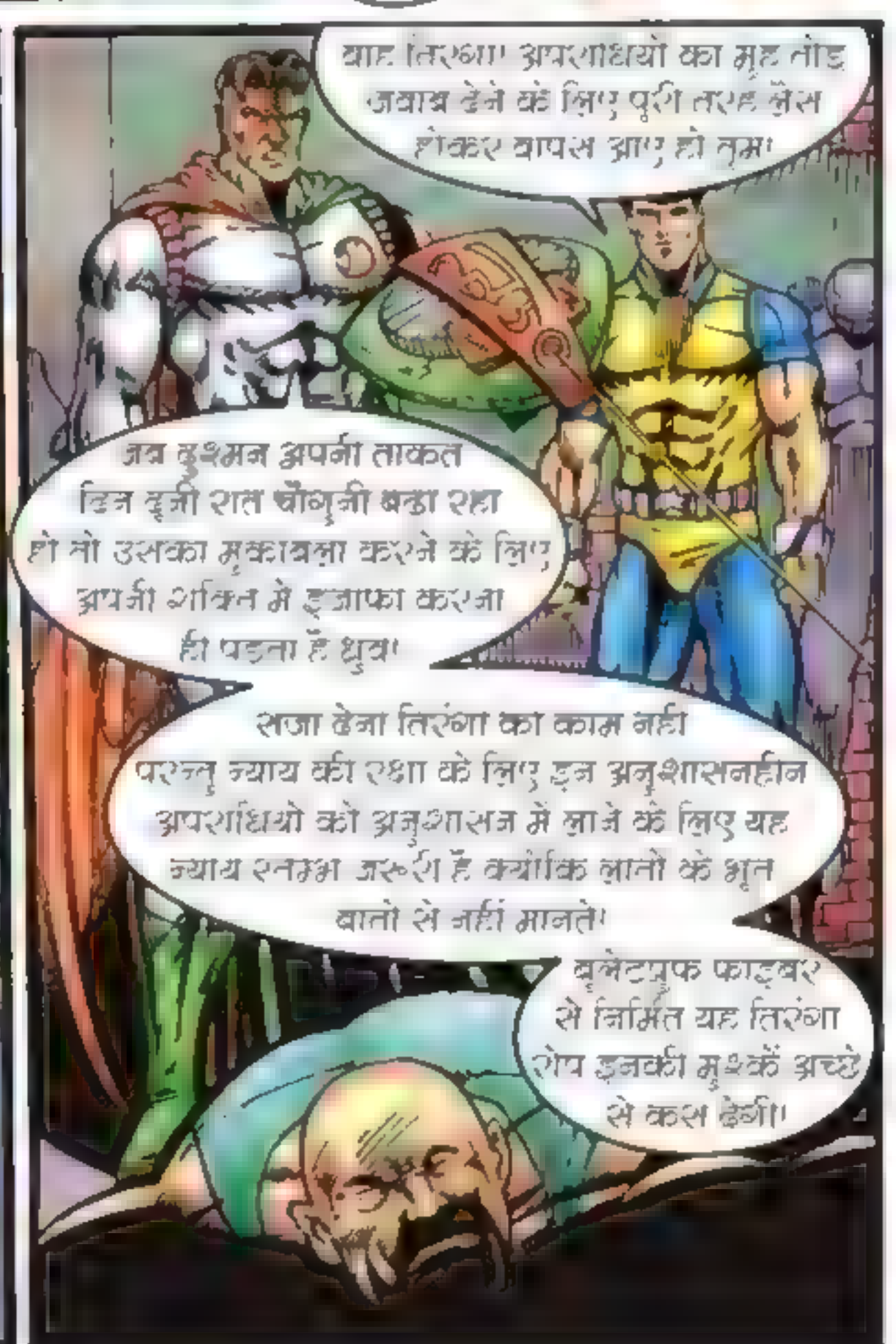
ONE DOWN, ONE MORE TO GO!!



ब्लारटर डिस्कस फेंक फेंक कर इसने आधा फ्लैट स्पाण्डहर में तब्दील कर दिया है। याद इसे जल्दी नहीं रोका तो यह पूरी ब्रिचिडन को स्पाण्डहर बना देगा।

यह अपनी कमर पर बंधी बेल्ट का बटन दबा रहा है जिसके ठीक तीन सेकण्ड बाद ब्लारटर डिस्कस इसके बाएं हाथ पर बंधे बैजेट से बाहर निकल रहा है। मैंने OBSERVE किया है कि ये ब्लारटर डिस्कस जैसे ही किसी भी ऑब्जेक्ट से नेत्री से टकराती है ब्लारट कर जाती है।









कै.सी.भाटिया नहीं बचा। उसकी मौत हो गई है। मैंने लोकल पुलिस को **INFORM** कर दिया है। पुलिस टीम आती ही होगी!

यह तीनों कई घंटों तक होश में नहीं आने वाले। भाटिया के मरने से हमारे आगे बढ़ने का रास्ता भी बन्द हो गया। **DAMN IT.**



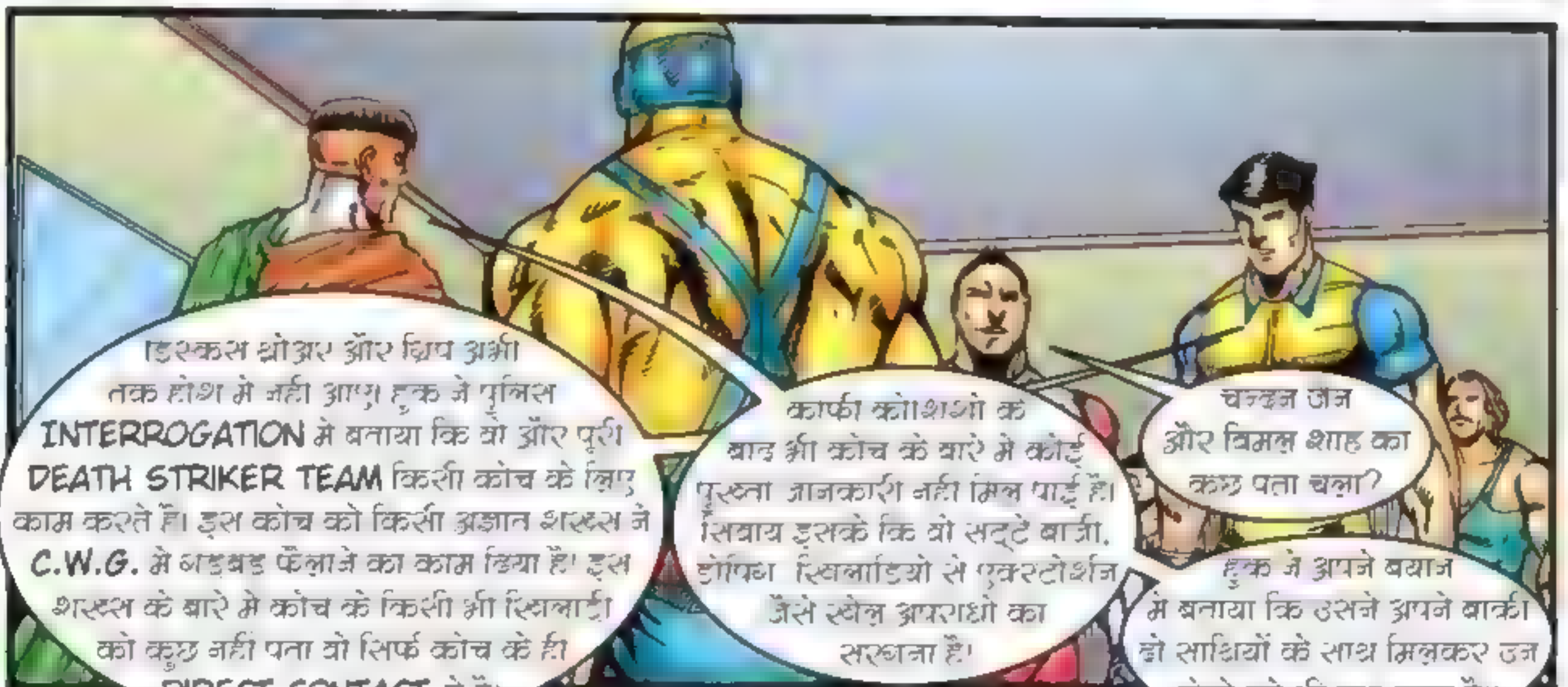
तुम्हारी टीम ने आकर सड़ाई का रुखा ही पसंद दिया वक्त। वाकई यह हरफज वीर है।

राष्ट्रमण्डल खेलों पर एक और आतंकी हमले की कोशिश नाकाम हो गई। परन्तु इस **AREA** को काफी नुकसान पहुंचा है।

हमने **CHECK** कर लिया है कौटन कोई भी **MAJOR CASUALTY** नहीं है। कुछ स्थानाडियों को छोटी-मोटी चोटें आई हैं। उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाने की व्यवस्था कर दी गई है।

**GOOD WORK** हरफज वीर। लेकिन स्वतंत्र अग्नी टला नहीं है। **DEATH STRIKER TEAM** दोबारा हमला कर सकती है। अलाव, लक्ष्य, बॉल, तुम लोग **GAMES VILLAGE** की सुरक्षा व्यवस्था खुद देखो।

**YES CAPTAIN.**



इसकल थोअर और छिप अग्नी तक होश में नहीं आए। हुक ने पुलिस **INTERROGATION** में बताया कि वो और पूरी **DEATH STRIKER TEAM** किसी कोच के लिए काम करते हैं। इस कोच को किसी अज्ञान शस्त्र से **C.W.G.** में बड़बड़ फैलाने का काम दिया है। इस शस्त्र के बारे में कोच के किसी भी स्थानाडी को कुछ नहीं पता वो सिर्फ कोच के ही **DIRECT CONTACT** में हैं।

काफी कोशिशों के बाद भी कोच के बारे में कोई पुरख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है। सिवाय इसके कि वो सट्टे बाजी, डोपिंग स्थानाडियों से एक्स्टोरशन जैसे खेल अपराधों का सखना है।

चन्द्रन जेन और विमल शाह का कुछ पता चला?

हुक ने अपने बयान में बताया कि उसने अपने बाकी दो साथियों के साथ मिलकर उन दोनों को भी मार डाला है।



## हम होंगे कामयाब

चारों जिनमियन ओ सी. अधिकारियों की हत्या का एक ही कारण हो सकता है। वे चारों उस अज्ञात आस्स और कोच के बारे में जरूर कुछ ऐसा जानते थे जो कि इन दोनों के बल्ले की फास बन सकता था। इस लिए उन्हें शरने से हटा दिया गया।

मरने से पहले अमृतलाल यकीनन मुझे वही बताना चाहता था पर बना ना सका। आखिरा शरना यह चाबी थी जिसका तामा बंधों के सील की तरह बाध्य है।

नरला, मरने वकन अमृतलाल के EXACT LAST WORDS क्या थे।

उसने कहा था कि शम्भू मण्डल स्वेस एक बहुत बड़ी साजिश का शिकार होने वाले हैं। हमारे देश की साख के साथ साखों लोभों की जानें हांव पर लगी हैं। फिर उसने यह चाबी मुझे देकर कहा कि सारे सवानों का जवाब यही है।

मुझे ऐसा लगता है कि अमृतलाल का इशारा इस चाबी की ओर था ही नहीं, उसका इशारा इस KEY-RING की ओर था।

शरा की बर्दज के पास यह भारीक आईज देखो! यह की-रिंग सिर्फ की-रिंग नहीं

.. एक PEN DRIVE है।

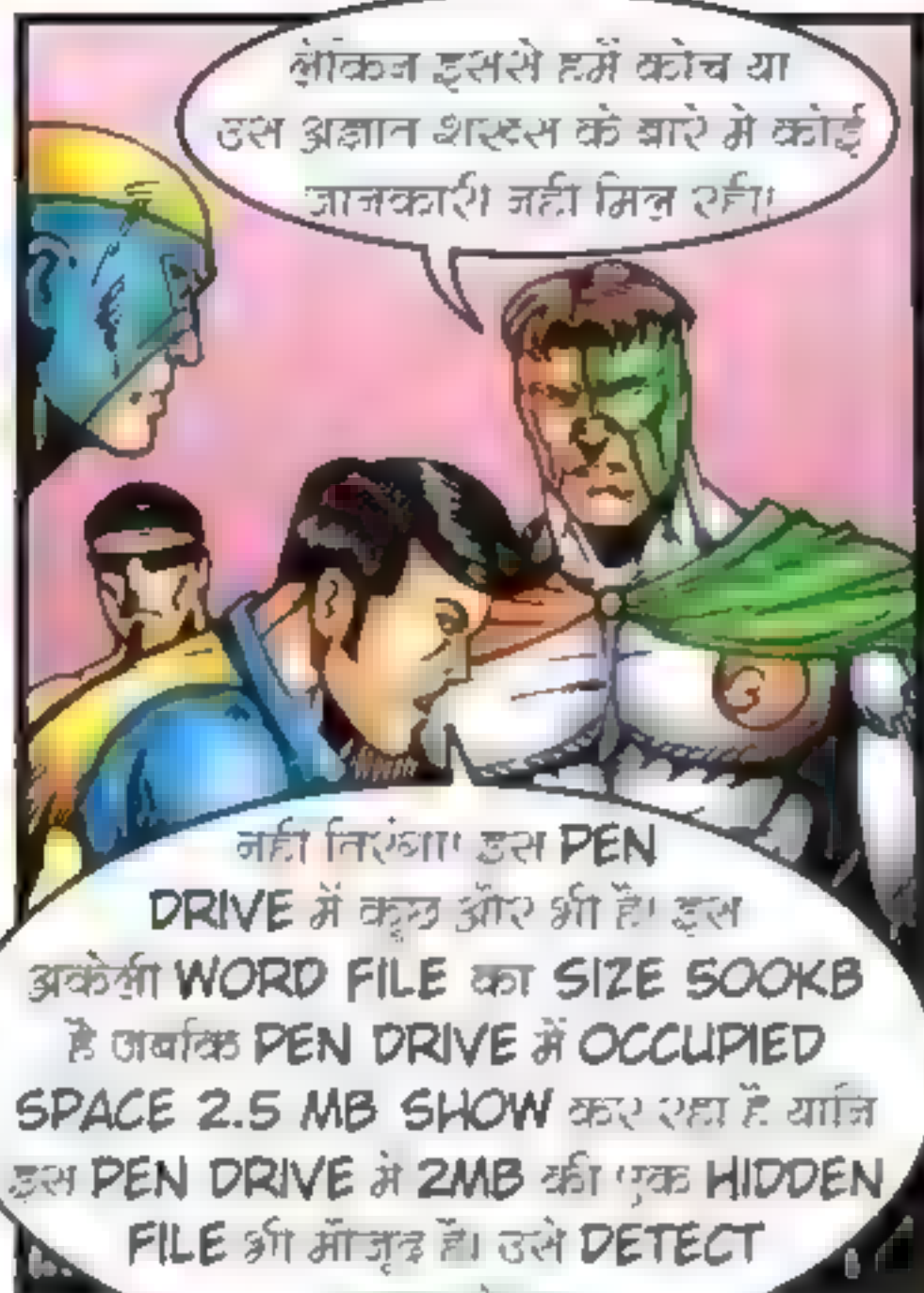
तो इसके बारे में बताना चाहता था अमृतलाल।

बलास में छोरा शहर में डिहोरा।

HOLY SHIT!! HAVE A LOOK AT THIS GUYS!

शम्भू मण्डल स्वेसों के लिए मिले फण्ड का कितना पैसा O.C. के किस-किस सदस्य ने स्थाया इसका कच्चा चिट्ठा है यहा।





लोकें इससे हमें कोच या उस अज्ञान शस्त्र के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही।

नहीं निरंभा! उस PEN DRIVE में कुछ और भी है। इस अकेली WORD FILE का SIZE 500KB है जबकि PEN DRIVE में OCCUPIED SPACE 2.5 MB SHOW कर रहा है यानी इस PEN DRIVE में 2MB की एक HIDDEN FILE भी मौजूद है। उसे DETECT करना होगा।



DETECT हो गया यह तो एक 3GP FORMAT का VIDEO है जो कि MOBILE CAMERA से RECORD का FORMAT होता है।



तो यह कमीना है वो अज्ञान शस्त्र।

इतनी बिजौनी प्लाजिब! यह तो INAUGURAL CEREMONY के दौरान पूरे स्टेडियम को बम से उड़ा देना चाहने है।

एक ही उल्फ काफी है वीराने बुलिरता करने को। हर शस्त्र पे उल्फ बैठा है अजामे बुलिरता क्या होगा।



चंडन जैन, अमनलाल, भाटिया और विमल शाह भी इस प्लाज में शामिल थे, यह VIDEO इन चारों में से ही किसी ने बनाया है पर शायद कोच या इस शस्त्र को इसकी भजक मग गई इस वजह से ही चारों का खून कर दिया गया।

इस समय तक इनकी प्लाजिब INITIAL STAGE में थी इसनिपु इस वीडियो में BOMB BLAST के समय और तरीके के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, वो PLANING बाद में इस शस्त्र ने कोच के साथ अकेले में की होगी।

स्टेडियम का INSPECTION मेने खुद किया था। यदि वहां किसी प्रकार का भी EXPLOSIVE होना तो मेरे EMBLEM पर लगे परमाणु SENSORS उसका पता लूना लेने। इसका मतलब कि लोकेशन या तो यह शस्त्र बता सकता है या फिर कोच।

और कोच कौन है वह कोच के सिवाय या तो यह शस्त्र जानता है या फिर..





मैं।  
"प्रबल स्वप्ना"  
राजिन्दर भारोनोन्नत संघ का  
निष्कासित कोच।

देख कर स्तुती हुई  
कि तुम अभी तक मुझे भूलने  
नहीं हो धन।

अपराधियों को धन संपन्न  
में भी नहीं भूलता! पांच साल पहले  
जब तू अपनी कार नदी में गिरा कर दुनिया  
की नजरों में मर गया था तब भी मुझे  
यकीन था कि एक ना एक दिन तू  
वापस आऊंगा हत्यारे।

मैंने किसी की हत्या नहीं की। मुझे इन दो कमीनों ने फंसाया है  
जो आज राष्ट्र मण्डल स्तरों पर भी छद्म बन कर मडरा रहे  
हैं। इस अज्ञात शस्त्र को तो तुम लोग पहचान ही चुके हो।  
रही बात कोच की तो मैं बताना हूँ कोच कौन है।



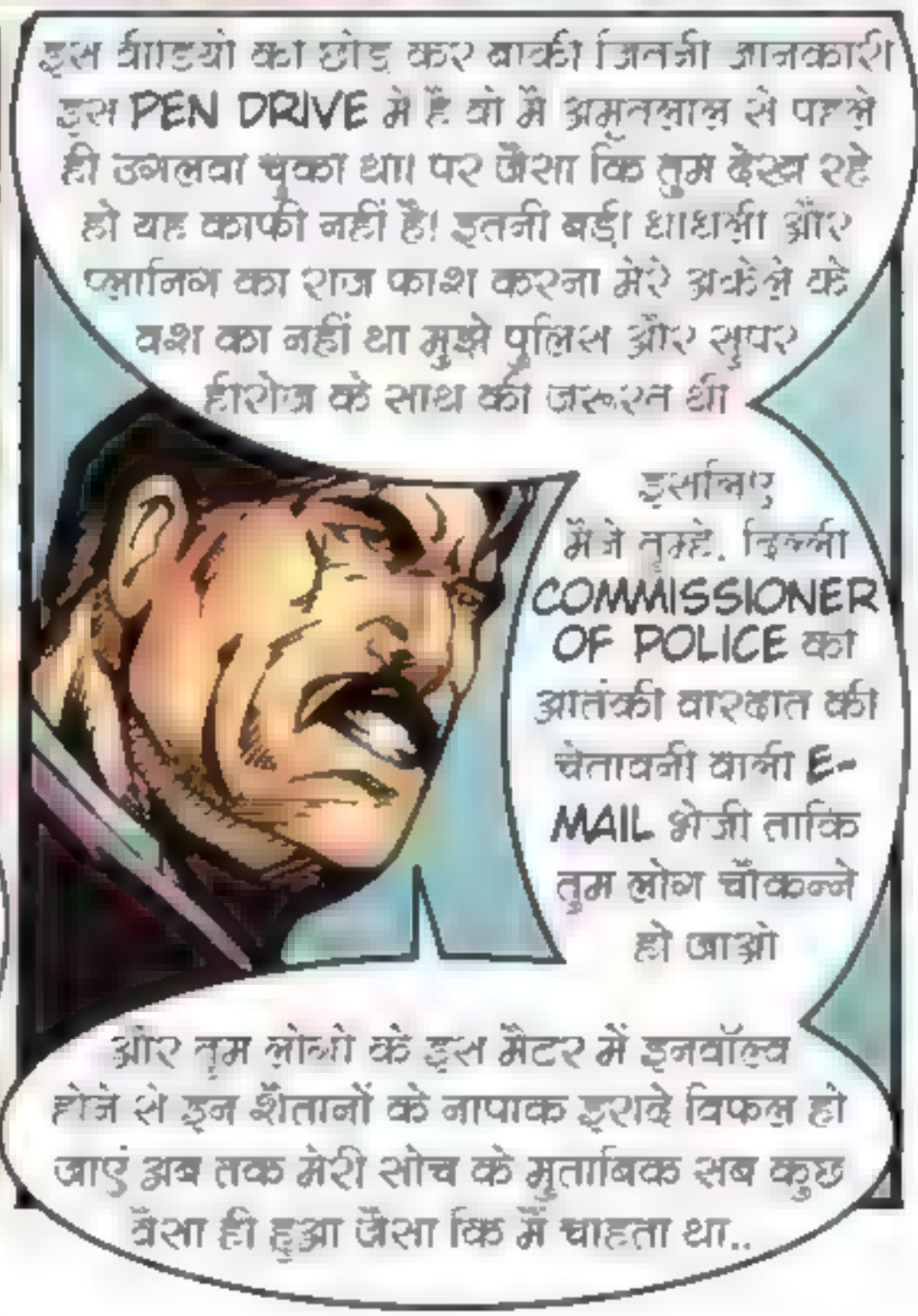
डोपिंग के आरोप में  
राजिन्दर भारोनोन्नत संघ के चार  
**WEIGHTLIFTERS** फंसे थे जिनमें से  
तीन की हत्या हो गई और इज्जाम मेरे  
उपर आया था चौथा **WEIGHT-  
LIFTER** लापता हो गया था



..क्योंकि उन तीनों  
स्वामादियों का हत्यारा  
और डोपिंग के लिए उन्हे उकसाने  
वाला वो चौथा स्वामादी बनकर  
मणि ही था। जिसने मुझे हत्या का  
आरोपी बना दिया और खुद यहा  
आकर खोले अपराध जघन  
का कोच बन बैठा।

WHAT?

मुझे उन चारों स्वामादियों पर शक हो  
गया था कि वे प्रतिवर्धन स्टेरॉइड्स का प्रयोग  
करते हैं। पर इससे पहले कि मैं उनके खिलाफ कोई कार्यवाही  
कर पाता, बनकर ने इस अज्ञात शस्त्र के साथ मिलकर मुझे ही  
फंसाने का प्लान बनाया। पहले तो उसने बाकी तीनों आरोपी स्वामादियों  
को पैसे का झालूच देकर मेरे खिलाफ मीडिया में बयान दिलाया फिर  
उनकी हत्या कर और खुद **UNDER GROUND** होकर हत्याओं का  
इज्जाम मेरे सिर मढ़ दिया पर मैंने हार नहीं मानी पिछले छ  
सालों से मैं इन दोनों के काले कारनामों बेजकाब कर के  
खुद पर लगे कलंक को मिटाने की  
कोशिश कर रहा हूँ।

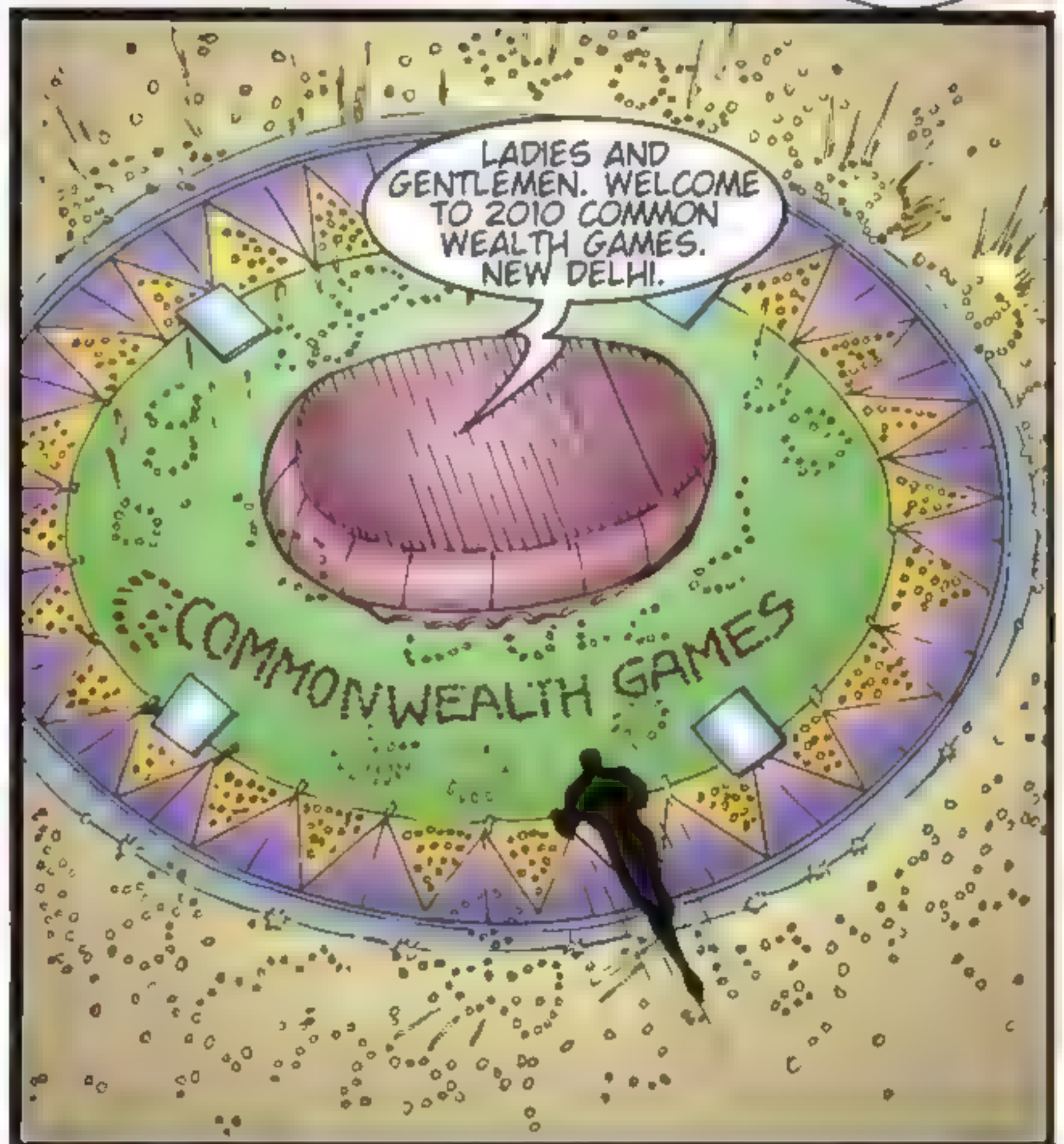
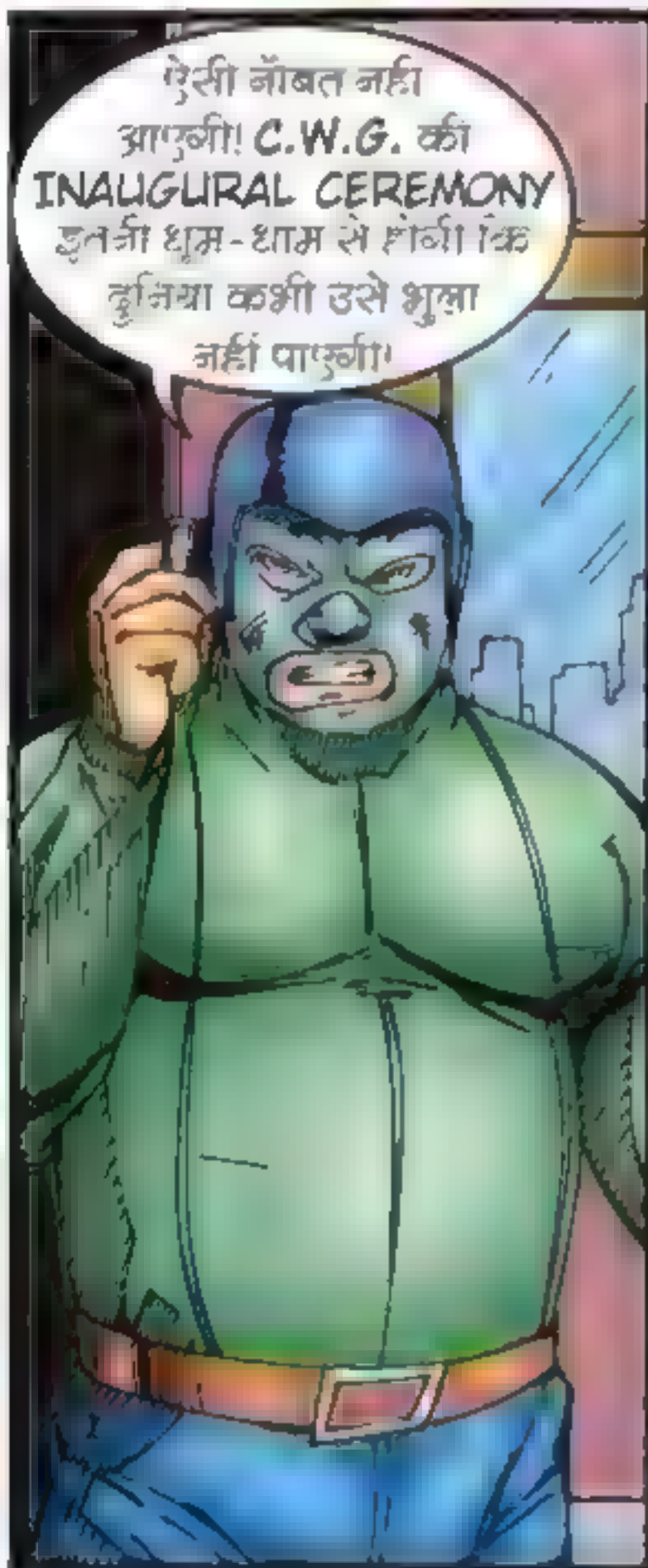
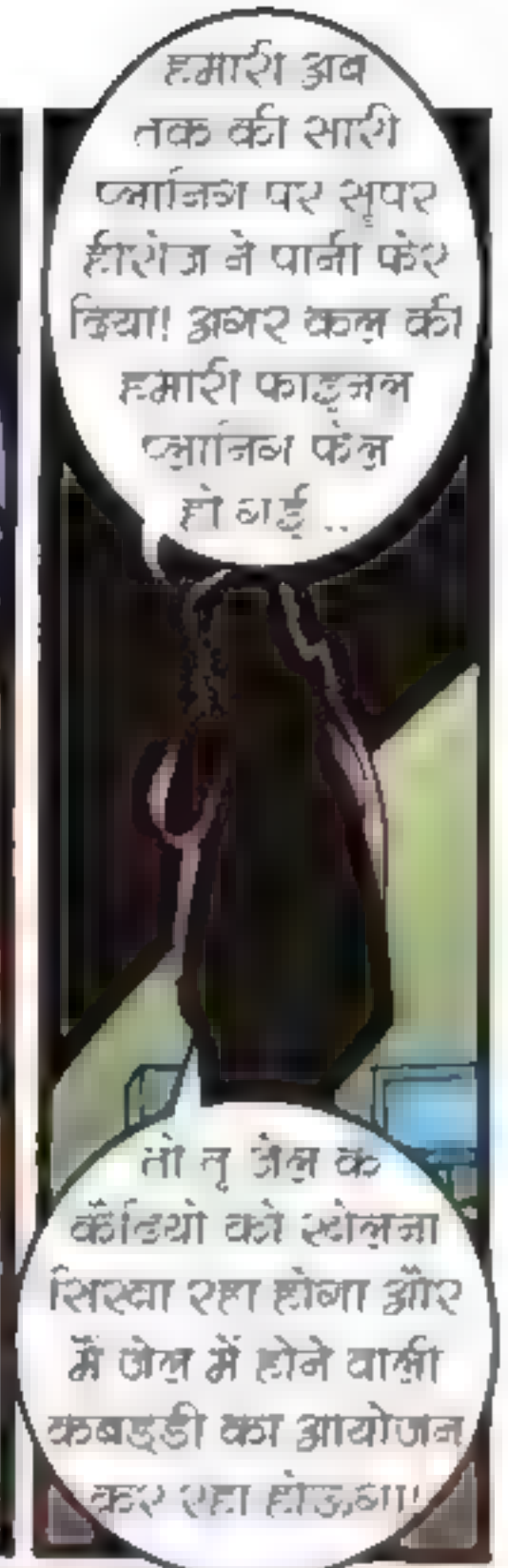


इस घाइबों का छोड़ कर बाकी जिनकी जानकारी  
इस **PEN DRIVE** में है वो मैं अमनसाल से पहले  
ही उबलवा चुका था। पर जैसा कि तुम देख रहे  
हो यह काफी नहीं है। इतनी बड़ी धांधली और  
प्लानिंग का राज फास करना मेरे अकेले के  
बल का नहीं था मुझे पुलिस और सुपर  
हीरोज के साथ की जरूरत थी।

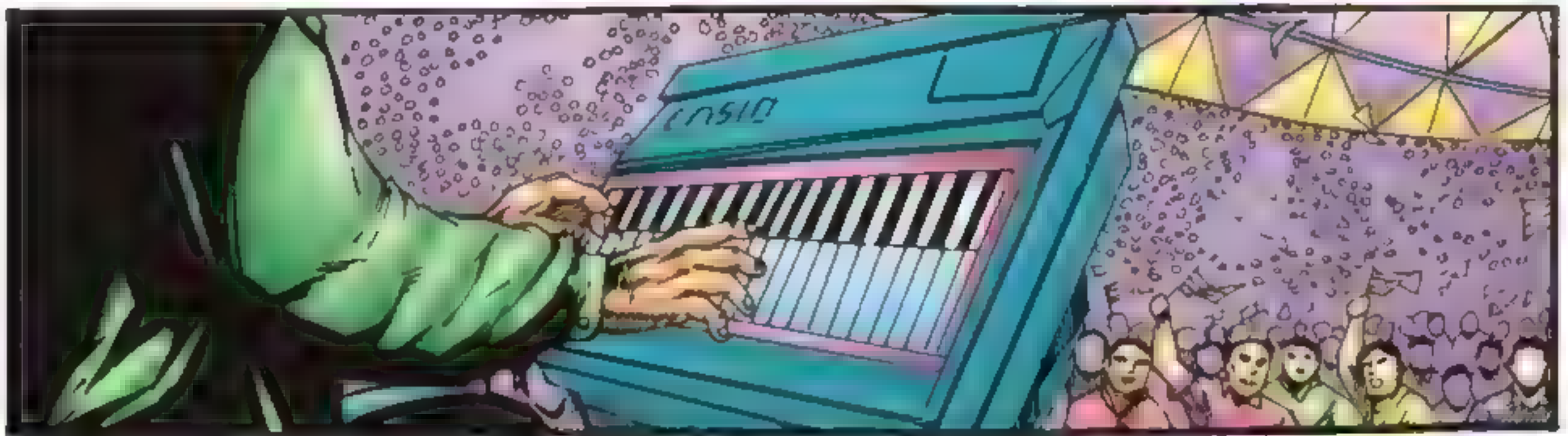
इसलिए  
मैंने तुम्हें, दिल्ली  
**COMMISSIONER OF POLICE** का  
आतंकी वारदात की  
चेतावनी वाली **E-  
MAIL** भेजी ताकि  
तुम लोग चौकन्ने  
हो जाओ

और तुम लोगों के इस मैटर में इन्वॉल्व  
होने से इन शैतानों के नापाक इरादे विफल हो  
जाएँ अब तक मेरी सोच के मुताबिक सब कुछ  
वैसा ही हुआ जैसा कि मैं चाहता था..









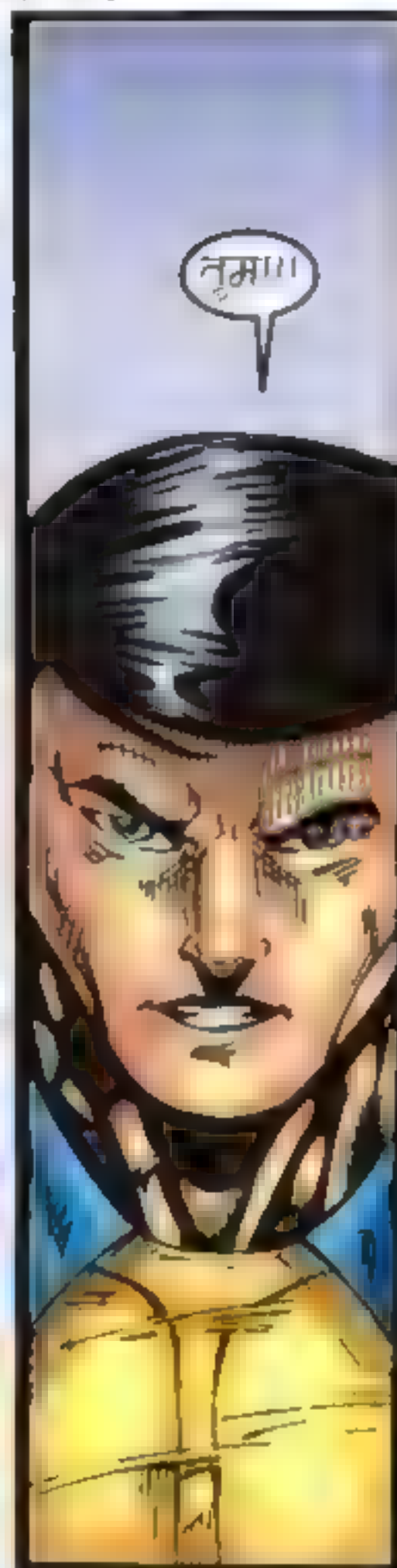




म..म..मैं भाव नहीं रहा।  
मैंने कुछ ज़रूरी काम बाँट आ गया,  
प.प. पर तुमने बिल्कुल ठीक किया जो यहाँ आ  
बाएँ आनकवादी हमने की कोशिश ज़रूर  
करेंगे त.. तुम्हें चौकन्ना रहना होगा!

मैं बिल्कुल  
चौकन्ना हूँ मिस्टर के.  
'गुल मणि' हमने की साजिश  
रचने वाला आनकवादी तो  
पकड़ा भी गया!

क्या!!!  
आनकवादी पकड़ा गया!!  
कौन है वो?



तुम्हारा!!



क्या बकवास  
कर रहे हो धृव! मैं  
C.W.G. ORGANISING  
COMMITTEE का अध्यक्ष  
हूँ मैं भला स्वयं ही इन  
खेलों को बढ़ावा दूँ  
करवाऊँगा!

क्योंकि  
सत्तर हजार  
करोड़ की लागत  
वाले यह राष्ट्र  
मण्डल खेल  
'सफेद हाथी' से  
उत्पाद कुछ  
नहीं हैं।

इन खेलों के  
लिए सेशन हुआ  
आधे से ज्यादा फंड तुम  
और तुम्हारी चोर सेना यानि  
ORGANISING COMMITTEE  
के बाकी चार प्रमुख  
अधिकारी जिनका तुमने ही  
बाद में कत्ल करा दिया  
मिल कर डकार  
चुके थे .



बचे शेष फंड से  
घटिया और डोयम वर्क का  
INFRASTRUCTURE खड़ा  
कर दिया गया पर मीडिया को  
इस धांधली की खबर लग गई और  
मीडिया ने राष्ट्र मण्डल खेल आयोजन  
समिती की बखिया उधोड़नी शुरू कर  
दी! जब बात संसद तक पहुँच गई  
तो खेल मंत्रालय और राज्य व  
केन्द्र सरकार भी तुम लोगों  
पर मुहाम करने  
लगीं..

पर तुम लोगों के लिए परिस्थिति कोढ़ में  
खाज वाली तब हो गई जब दिल्ली का मौसम भी तुम लोगों के खिलाफ  
हो गया! ग्रीष्म बरसात ने नवनिर्मित स्टेडियम के घटिया स्तर के निर्माण की कलई  
खोल दी! साफ जाहिर था कि अगर मौसम यं ही कहर बरसाता रहा तो स्टेडियम की छत खेल  
के दौरान दर्शक कीर्मा में बैठे दर्शकों के ऊपर कभी भी गिर सकती थी। और अगर ऐसा  
ना भी होता तो आज वाले दिनों में खेलों के दौरान तुम लोगों की खबर व्यवस्था और  
धांधली की नज़र रखकर लोगों के सामने आ सकती थी जिसके फल  
स्वरूप तुम लोग सत्ताखोरों के पीछे काफी लुम्बा जाते...



...पर अपनी आईज बचाने के लिए तुम दोनों ने मासूमों की जिन्दगियों को दांव पर लगाने की साजिश रची। C.W.G. को आतंकी हमले व साजिश का शिकार दिखाना तुम लोगों की प्लानिंग का हिस्सा था। यदि खेलों के आयोजन में ऐसी आतंकी शरदान होती है।



जिसमें काफी जान-माल का नुकसान हो तो खेल रद्द कर दिए जाएंगे और तुम्हारी धांधली का किसी को पता नहीं चलेगा।



लेकिन प्लानिंग के दौरान सरकार का तुम पर दबाव इतना बढ़ गया कि मजबूरन तुम्हें अपने चार साथियों को निर्मम्वत करना पड़ा। पर तुम्हारा यह फैसला उन चारों को रास नहीं आया।

..उन्होंने पहले ही इस बात का प्रबंध कर रखा था कि यदि तू उन्हें डबल क्रॉस करने की कोशिश करे तो वे तुझे ब्लैकमेल कर सकें।

उन्होंने तेरा और कोच का एक स्टिंग वीडियो बना लिया था जिसमें तू कोच को C.W.G. INAUGURAL CEREMONY के दौरान BOMB BLAST का आदेश दे रहा है। पर तू उन चारों का भी बाप निकला इससे पहले कि वो तेरा कुछ बिगाड़ने तुझे उनका ऊपर का टिकट कटा दिया।



यह सब कोरी बकवास है। तू कोच भी साबित नहीं कर सकता। मेरे खिलाफ तेरे पास कोई सबूत नहीं है कि इस सबके पीछे मेरा हाथ है।

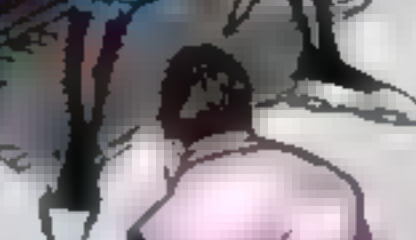


तेरे खिलाफ जीता-जाबता सबूत पवन स्वज्जा है जिसे तूने और तेरे भतीजे बलवीर मणि उर्फ कोच ने डोपिंग और हत्या के झूठे आरोप में फंसाया था।



क्या?? पवन स्वज्जा जिद्दी है।

उसी ने तो इस बात का राज फाश किया है कि तेरा और कोच का चाचा भतीजे का रिश्ता है।



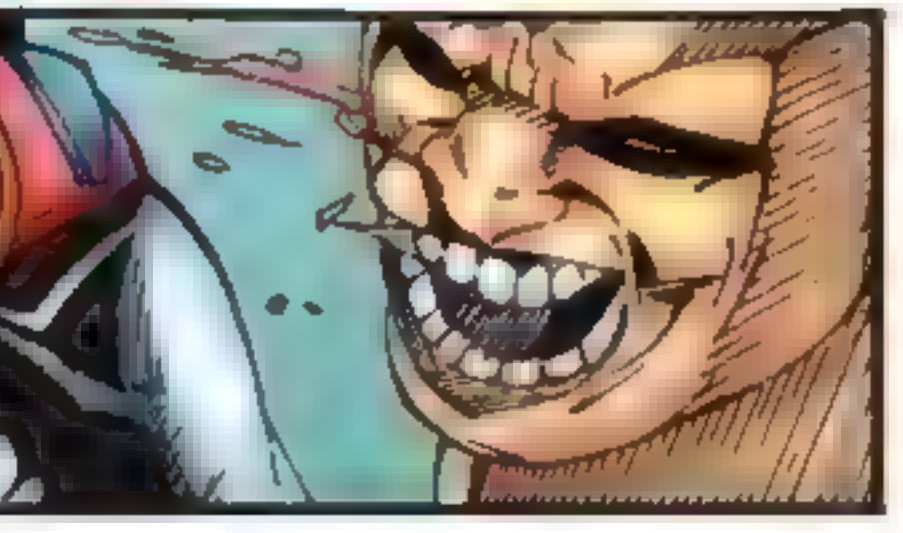
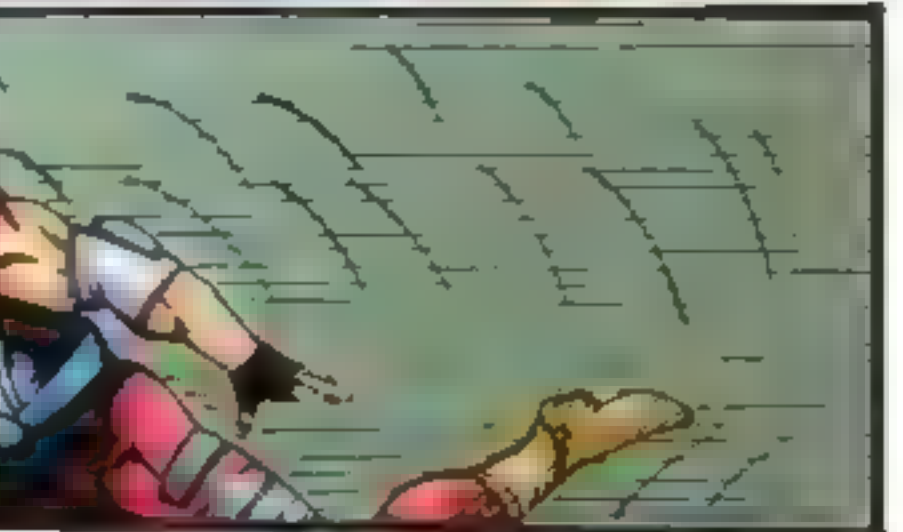
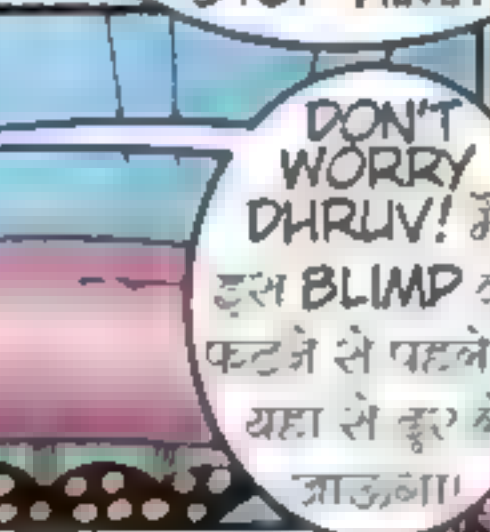
तू ही खिलाड़ियों का प्रतिबंधन रेटेंडिंग्स उपलब्ध करवा करना था और तूने ही बलवीर मणि को कोच बनाया है। इसके अलावा सबसे बड़ा सबूत तो वो STING VIDEO है जो अमनलाल निरंथा को दे कर मरा है। जिसमें तुम दोनों चाचा-भतीजे प्यार मुहब्बत की बातें कर रहे हो।



राज फाश  
EPISODE कुछ ज्यादा झुम्रा खिच गया।  
NOW ITS TIME FOR ACTION. BOMB कहा है और कब ब्लास्ट होगा यह सिर्फ तुम चाचा-भतीजे जानते हो। अब जब तक तू यह नहीं बताएगा कि BOMB कहा PLANT किया गया है तब तक तेरी हड्डियां चीख-चीख कर रहम की भीख मांगनी रहेंगी।

आह!!







## हम होंगे कामयाब

परमाणु C.W.G. की सुरक्षा का **COMMITMENT** कर चुका है और एक बार जो मैंने **COMMITMENT** कर दिया फिर मैं खुद की क्या खुदा की भी नहीं सुनता!  
**PARMANU SHIELD ACTIVATE.**



हे भगवान!  
आसमान में तैरता  
**BLIMP BLAST**  
हो रहा है।

आसमान से  
आग उगलते मौत के शोले  
बरसने वाले हैं।

सब मारे  
जाएंगे!! कोई नहीं  
बचेगा!

नहीं! परमाणु के  
रहते सब बच जाएंगे कोई  
नहीं मरेगा!!

लेकिन पन्द्रह सैकेंड्स में  
परमाणु शील्ड नायब हो जाएगी  
और यह आग उगलती मौत  
स्टेडियम पर बरसेगी। उससे  
पहले ही पन्द्रह सैकेंड्स  
के अन्दर...



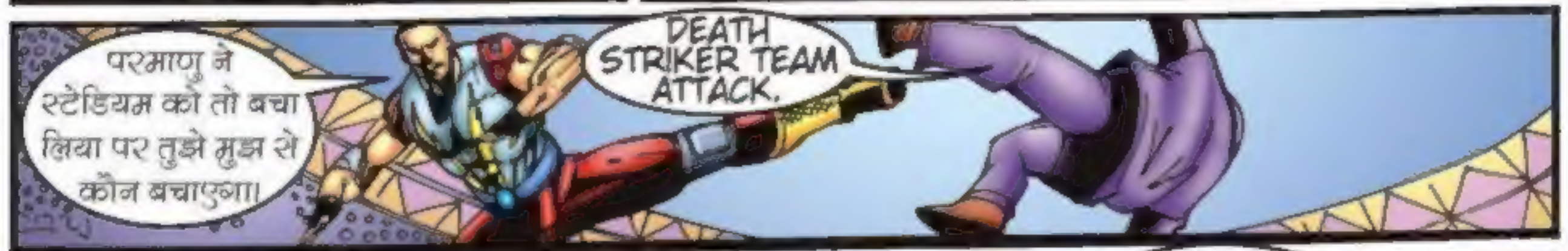
...मुझे इसे अंतरिक्ष में ले  
जाना है जहां परमाणु शील्ड हटने  
पर भी वह ब्लास्ट कोई नुकसान  
नहीं पहुंचाएगा।



हुर्रे! परमाणु ने  
हमें बचा लिया!

अरे! यह  
किससे पीट  
रहा है?

शायद  
इसी ने स्टेडियम  
में विस्फोट की साजिश  
रची है।



परमाणु ने  
स्टेडियम को तो बचा  
लिया पर तुझे मुझ से  
कौन बचाएगा!

**DEATH  
STRIKER TEAM  
ATTACK.**

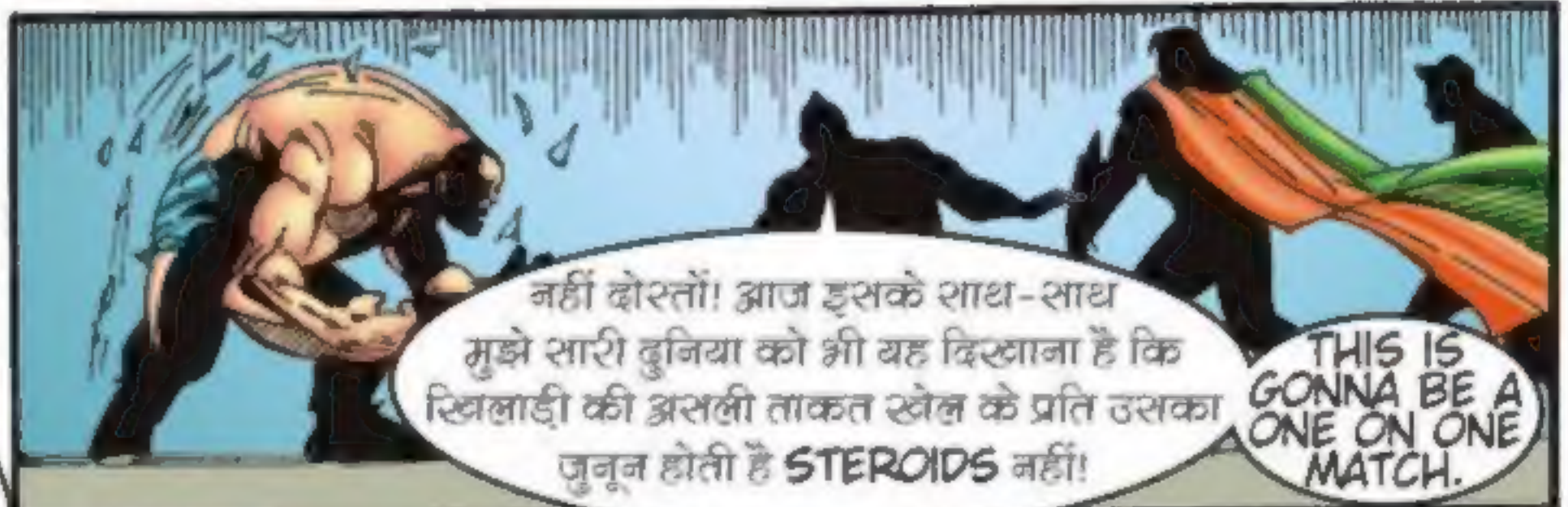


हियाSSS!!!

अरे! यह  
लोग तो हम पर हमला  
कर रहे हैं!!!

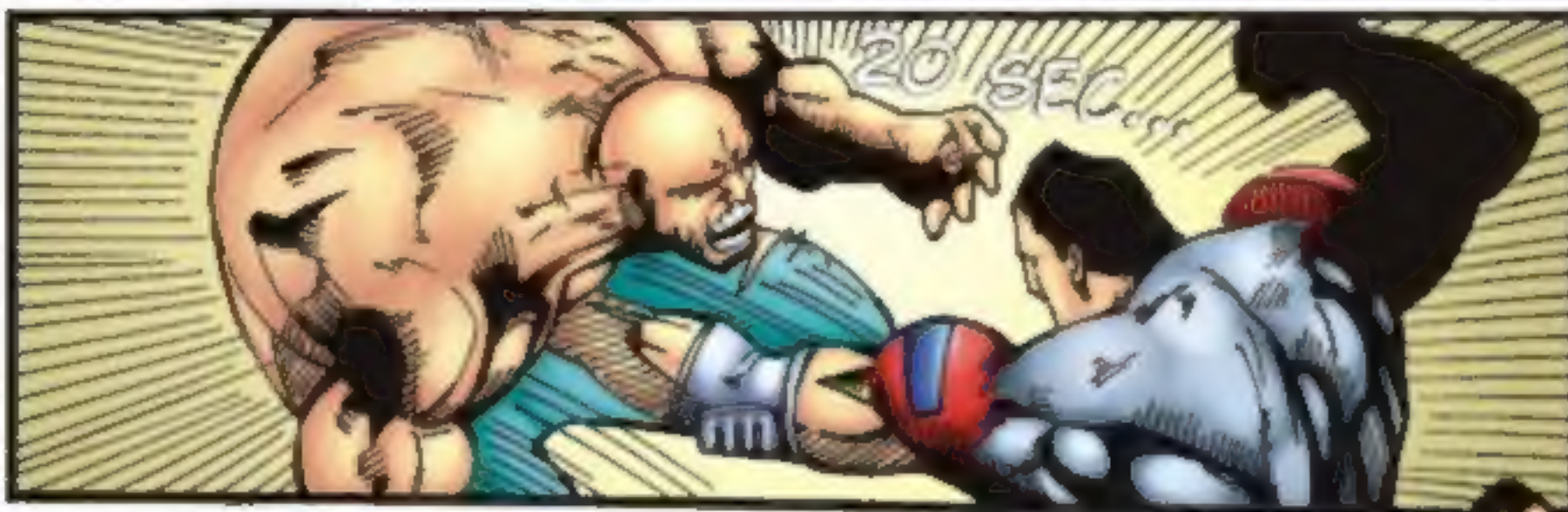
भागो यहां से।







हम होंगे कामयाब



कहानी स्वतंत्र दोस्तों! मैं शर्त जीत गया! चलो परमाणु अब विनय और पुलिस फोर्स को भेजो बचा काम निबटाने के लिए!

अरे आप कहाँ चले पाठकों आप से तो मुझे अभी एक बेहद जरूरी बात करनी है...



प्यारे दोस्तों आज मैं आपसे एक खास बात करना चाहता हूँ! **COMMONWEALTH** इस शब्द का प्रयोग वास्तविक रूप से जन कल्याण यानि समाज की भलाई के लिए किया गया था परन्तु क्या आज हम जो वस्तु स्थिति देख रहे हैं। उसमें सत्तर हजार करोड़ ऐसे आयोजनों पर खर्च करना कहां तक उचित है? जबकि आज भी हमारे देश में हर चार में से एक बच्चा रात को भूखा सोता है। हमारे लिए इससे बड़ी शर्म की बात और क्या हो सकती है कि हमारे राष्ट्रीय खेल हॉकी में महिला खिलाड़ियों को टीम के कोच द्वारा ही शोषण का सामना करना पड़ रहा है! क्या इतनी बड़ी धन राशि देश के विभिन्न खेलों, खिलाड़ियों और खेल के बेहतर **INFRASTRUCTURE** पर खर्च कर इन्हें सुधारा नहीं जाना चाहिए?



तब हम बर्ब से दुनिया के सामने अपने आप को खेल समर्पित राष्ट्र कहलाने में गौरवान्वित महसूस करेंगे या फिर भ्रष्टाचार और स्वनापुर्ति के बीच इन आयोजनों को सम्पन्न करने में बर्ब महसूस करेंगे! फैसला आपका है, क्योंकि देश आपका है और यह मेरा ध्रुव तारे जैसा अटल, अडिग विश्वास है कि एक दिन आप देश की आने वाली पीढ़ी हमारे देश में खेलों की दशा और दिशा जरूर बदलेंगे! यह मेरे मन का विश्वास है कि एक ना एक दिन... हम होंगे कामयाब!

समाप्त